

अनुराग ठाकुर ने की सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल की तारीफ, आतंकवाद के खिलाफ भारत की एकजुटता पर दिया जोर

एजेंसी नई दिल्ली । भाजपा नेता और सांसद अनुराग ठाकुर ने पत्रकारों से बातचीत में पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ भारत की एकजुट लड़ाई और सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के वैश्विक दौरे की जमकर तारीफ की। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि सभी राजनीतिक दलों के सांसदों ने एकजुट होकर दुनिया भर के देशों में जाकर पाकिस्तान प्रायोजित



लोगों से मुलाकात की। उन्होंने पहलगाम जैसे हमलों का जिक्र करते हुए बताया कि कैसे आतंकवाद मानवता पर हमला है और निंदीय लोगों की जान लेता है। उन्होंने कहा, "दुनिया भर में भारत का संदेश गया कि हमारा लोकतंत्र आतंकवाद के खिलाफ एकजुट है। सभी ने एक स्वर में कहा कि पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद अब बर्दाश्त नहीं होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि पाकिस्तान

अपनी परमाणु शक्ति के पीछे छिपकर आतंकवादियों को समर्थन, प्रशिक्षण और संसाधन देता है, जिससे न सिर्फ भारत, बल्कि पूरी दुनिया को खतरा है। उन्होंने दावा किया कि कई देशों में हुए आतंकी हमलों के तार पाकिस्तान से जुड़े हैं। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ लोग भारत में रहकर भी पाकिस्तान की भाषा बोलते हैं और उसके एजेंडे को

बढ़ावा देते हैं। उन्होंने कहा, जब एयर स्ट्राइक और सर्जिकल स्ट्राइक हुईं, तब भी कुछ लोगों ने भारतीय सेना पर सवाल उठाए। डोकलाम मामले में भी कुछ लोग पड़ोसी देश के अधिकारियों के साथ बंद कमरे में बैठक करते रहे। हालांकि, उन्होंने विपक्षी सांसदों की भी तारीफ की और कहा कि इस दौर में सभी दलों ने एकजुट होकर आतंकवाद के खिलाफ आवाज उठाई उन्होंने कहा कि 140 करोड़ भारतीयों की

आवाज बनकर सांसदों ने दुनिया को एकजुटता का संदेश दिया। विपक्षी सांसद और दल इसके हकदार हैं। संसद सत्रों के बारे में बोलते हुए ठाकुर ने कहा कि पिछले 11 सालों में एनडीए सरकार ने हमेशा हर मुद्दे पर चर्चा की पेशकश की है। उन्होंने विपक्ष पर आरोप लगाया कि वे अक्सर सत्रों में समय बर्बाद करते हैं, वॉकआउट करते हैं और चर्चा से भागते हैं। उन्होंने कहा,

"जब तर्क खत्म हो जाते हैं, तो इस तरह के कुतर्क सामने आते हैं। 21 जुलाई से शुरू होने वाले विशेष सत्र में विपक्ष को पूरी तैयारी के साथ अपनी बात रखने का मौका मिलेगा। अनुराग ठाकुर ने जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी बार-बार कहा है कि इन मुद्दों पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। एनडीए सरकार हर विषय पर चर्चा के लिए तैयार है और विपक्ष को भी संसद में अहम मुद्दे उठाने चाहिए।

विश्व पर्यावरण दिवस एवं गंगा दशहरा पर सीएम भजनलाल शर्मा ने किया पौधारोपण

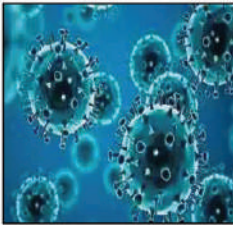
एजेंसी जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को विश्व पर्यावरण दिवस एवं गंगा दशहरा के अवसर पर जमवारामगढ़ में पौधारोपण किया।



साथ ही, शर्मा ने जलेश्वर महादेव मंदिर में जलाभिषेक किया। इसके बाद मुख्यमंत्री ने वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान के तहत रामगढ़ बांध पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया तथा श्रमदान किया।

देश में कोरोना के सक्रिय मामले बढ़कर हुए 4866, पिछले 24 घंटे में 7 लोगों को मौत

नई दिल्ली। कोरोना के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। पिछले 24 घंटे में कोरोना के 500 से ज्यादा नए मामले सामने आए। वहीं इस दौरान कोरोना से संक्रमित सात लोगों की मौत हुई है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, पिछले 24 घंटों में 564 नए मामले सामने आने के साथ देशभर में कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या बढ़कर 4,866 हो गई है। इसी अवधि में कोरोना से संक्रमित सात लोगों की मौत हुई है। सात मृतकों में से तीन महाराष्ट्र से थे, जबकि दिल्ली और कर्नाटक में दो-दो मौतें हुई हैं। मरने वाले सात व्यक्तियों में से छह बुजुर्ग हैं और उन्हें मधुमेह, उच्च रक्तचाप और निमोनिया जैसी पहले से ही स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं थीं। मृतकों में से एक पांच महीने का लड़का है जिसे सांस संबंधी समस्या थी। इस साल कोरोना के मामलों में उछाल चार वरिएंट - एलएफ.7, एक्सएफजी, जेएन.1 और एनबी. 1.8.1 के कारण हुआ है। ए.न.1.8.1 एक नया कोविड-19 सबवैरिएंट है जो भारत में पाया गया है। वायरस विकास पर विश्व स्वास्थ्य संगठन के तकनीकी सलाहकार समूह ने इस वरिएंट को 'मॉनिटरिंग के तहत वरिएंट' के रूप में नामित किया है - जिसमें वायरस की विशेषताओं में महत्वपूर्ण परिवर्तन हैं लेकिन जिसका महामारी विज्ञान संबंधी प्रभाव अस्पष्ट है।



डिजिटल कनेक्टिविटी की बड़ी सौगात, छत्तीसगढ़ के भरतपुर-सोनहत के 83 गांवों को मिलेगी 4जी सेवा

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सीमावर्ती व आदिवासी बहुल भरतपुर-सोनहत विधानसभा क्षेत्र के 83 गांवों को अब हाई-स्पीड फोर जी सेवा इंटरनेट सेवाओं से जोड़ा जाएगा। यह ऐतिहासिक निर्णय केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया द्वारा स्थानीय विधायक रेणुका सिंह के अनुरोध पर लिया गया। इस कदम से डिजिटल इंडिया मिशन को जमीनी स्तर पर सशक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। प्रदेश भाजपा कार्यालय द्वारा आज जारी प्रेस नोट में बताया गया है कि विधायक रेणुका सिंह द्वारा अपने क्षेत्र में नेटवर्क की गंभीर समस्याओं को उठाए जाने के बाद केंद्रीय संचार मंत्री ने तत्काल दूरसंचार विभाग को सर्वेक्षण के निर्देश दिए। सर्वेक्षण के आधार पर भरतपुर-सोनहत क्षेत्र के 83 गांवों को 4जीसेट सैचुरेशन योजना और एल डब्ल्यू यू फेज-1 अप ग्रेडेशन परियोजना में शामिल कर लिया गया है। जानकारी दी गई है कि रायगढ़ जिले के सीमावर्ती अंचलों में किए गए विश्लेषण में यह सामने आया कि 27 गांवों में पहले से 4थ सेवाएं उपलब्ध थीं, लेकिन शेष गांवों में नेटवर्क की बेहद कमी थी। अब अमृतपुर, गरनई, नेवादिह, नटवाही, सोनहारी सहित अन्य गांवों



में फोर जी सेवा विस्तार का कार्य शुरू किया जा चुका है। विधायक रेणुका सिंह ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' के माध्यम से सड़ निर्णय की जानकारी साझा करते हुए केंद्रीय संचार मंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने लिखा-विधानसभा चुनाव के दौरान मैंने क्षेत्र की जनता से हर गांव को हाई-स्पीड इंटरनेट से जोड़ने का वादा किया था। आज वह संकल्प पूरा होता देखा गर्व और संतोष का क्षण है। इस कनेक्टिविटी डिवाइज से क्षेत्र के ग्रामीणों को अनेक लाभ मिलेंगे। विद्यार्थियों को जहां ऑनलाइन शिक्षा की बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी, वहीं किसानों को सरकारी योजनाओं और कृषि संबंधी जानकारीयों तक त्वरित पहुंच प्राप्त होगी। इसके साथ ही स्थानीय व्यापारियों को डिजिटल भुगतान पणाली और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म से जुड़ने का अवसर भी मिलेगा। यह डिजिटल संशक्तिकरण न केवल सूचना तक पहुंच को सरल बनाएगा, बल्कि क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक विकास को भी नई गति प्रदान करेगा।

‘नारीशक्ति के शौर्य और प्रेरणा का प्रतीक’

पीएम मोदी ने लगाया कच्छ की महिलाओं से मिला सिंदूर का पौधा

एजेंसी नई दिल्ली । विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने आवास पर पौधारोपण किया। इस दौरान उन्होंने देशवासियों को विश्व पर्यावरण दिवस की बधाई भी दी।

दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर अपने 7 लोक कल्याण मार्ग पर सिंदूर पौधे को रोपित किया। पीएम को यह पौधा उनकी अच्छे यात्रा के दौरान महिलाओं ने भेंट किया था। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 1971 के युद्ध में साहस और पराक्रम की

अद्भुत मिसाल पेश करने वाली कच्छ की वीरगंगा माताओं-बहनों ने हाल ही में गुजरात के दौरे पर मुझे सिंदूर का पौधा भेंट किया था। विश्व पर्यावरण दिवस पर आज मुझे उस पौधे को नई दिल्ली के प्रधानमंत्री आवास में लगाने का सौभाग्य मिला है। यह पौधा हमारे देश की नारीशक्ति के शौर्य और प्रेरणा का सशक्त प्रतीक बना रहेगा। हाल ही में पीएम मोदी गुजरात के कच्छ दौरे पर गए थे, जहां उनसे 1971 के युद्ध में अद्भुत साहस दिखाने वाली वीरगंगाओं ने मुलाकात की थी और इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री को सिंदूर का पौधा भेंट किया। इस भाव से प्रभावित होकर पीएम मोदी ने वादा किया था

कि वह इसे अपने निवास पर लगाएंगे। उन्होंने अपने वादे को पूरा



करते हुए विश्व पर्यावरण दिवस पर सिंदूर पौधे को 7 लोक कल्याण मार्ग

पर लगाया। इससे पहले, उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर



विश्व पर्यावरण दिवस की देशवासियों को शुभकामनाएं दी थीं।

चार देशों की यात्रा के बाद भारत लौटा एक और प्रतिनिधिमंडल हम अपनी बात रखने में सफल रहे : मनीष तिवारी

● ‘पाकिस्तान न केवल दक्षिण एशिया में अस्थिरता को बढ़ावा देता है, बल्कि वैश्विक स्तर पर अशांति का एक प्रमुख स्रोत भी है।’

एजेंसी नई दिल्ली । आतंकवाद के खिलाफ भारत की प्रतिबद्धता के तहत विदेश दौरे पर गए प्रतिनिधिमंडल अब स्वदेश लौटने लगे हैं। चार देशों की यात्रा पूरी करने के बाद कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी अपने प्रतिनिधिमंडल के साथ भारत लौट आए हैं। उन्होंने बताया कि उन्होंने दुनिया को एक स्पष्ट संदेश दिया है कि पाकिस्तान एक आतंकवादी देश है, जो आतंकवाद को बढ़ावा देता है। पाकिस्तान न केवल दक्षिण एशिया में अस्थिरता को बढ़ावा देता है, बल्कि वैश्विक स्तर पर अशांति का एक प्रमुख स्रोत भी है। हम जितने भी देशों में गए हैं, वहां इस बात को रखने में सफल रहे हैं। मनीष तिवारी ने चार देशों की यात्रा को सफल बताया। उन्होंने कहा, हमारे



इस्तेमाल करने की भूमिका के पुख्ता सबूत हैं। इस यात्रा से राज्य प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक गठबंधन बनाने के प्रयास को बड़ा बल मिला है। हम उम्मीद करते हैं कि भारत सरकार इस पहल को आगे बढ़ाएगी, हमारे द्वारा बात किए गए

सभी वातकारों से संपर्क करेगी और पाकिस्तान तथा उन सभी देशों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग करने का काम करेगी, जो आतंकवाद को राज्य नीति के रूप में इस्तेमाल करते हैं। इसके अलावा, चार देशों की यात्रा पूरी करने के बाद भारत वापस लौटे ‘आप’ के राज्यसभा सांसद विक्रमजीत सिंह साहनी ने कहा, हमारे समूह ने कतर, दक्षिण अफ्रीका, इथियोपिया और मिस्र जैसे महत्वपूर्ण देशों की यात्रा की और हम 11 दिनों की यात्रा के बाद आज ही वापस लौटे हैं। यात्रा के दौरान पांच प्रमुख बिंदु बहुत महत्वपूर्ण थे। उन्होंने आगे कहा, हमने यह गलतफहमी भी तोड़ी है कि हमारे पड़ोसी देश आतंकवाद को धार्मिक रंग देने की कोशिश कर रहे हैं। हमने उन्हें बताया कि भारत में सभी अल्पसंख्यक शांतिपूर्ण हैं। आतंकवादियों का कोई धर्म नहीं होता है और आतंकवाद को धर्म से जोड़ना बहुत बड़ा अन्याय है। सांसद विक्रमजीत सिंह साहनी ने कहा, कुछ अरब देशों ने फिलिस्तीन पर बात की, हमने उन्हें खुले तौर पर बताया कि फिलिस्तीन पर भारत का रुख हमेशा से स्पष्ट रहा है। हम ओस्लो घोषणा और दो-राष्ट्र सिद्धांत का समर्थन करते हैं। हमने उन्हें समझाया कि भारत फिलिस्तीन के मुद्दे से पूरी तरह से सहानुभूति रखता है। हम भी चाहते हैं कि युद्ध जल्द खत्म हो।

जम्मू-कश्मीर के शोपियां में आतंक के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, एनआईए ने 32 जगहों पर की छापेमारी

एजेंसी श्रीनगर । राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले सहित कई इलाकों में गुरुवार की सुबह आतंकवाद से जुड़े मामलों में बड़ी कार्रवाई की। इस दौरान एनआईए ने 32 जगहों पर छापे मारे। इसमें शोपियां, कुलगाम, सोपोर और बारामूला जैसे क्षेत्र शामिल हैं। जानकारी के मुताबिक, यह कार्रवाई आतंकवादी साजिश और विभिन्न आतंकवादी संगठनों के ओवरग्राउंड वर्कर्स (ओजीडब्ल्यू) से जुड़े हैं। एनआईए की यह कार्रवाई आतंकवादी गतिविधियों को रोकने और उनके नेटवर्क को तोड़ने के उद्देश्य से की गई। इससे पहले एसआईए ने जम्मू संभाग के चार

जिलों में 18 जगहों पर तलाशी अभियान शुरू किया था। एनआईए ने 5 अक्टूबर को 5 राज्यों के 22



ठिकानों पर आतंकी साजिश और टेरर फंडिंग के शक में एक साथ छापेमारी की थी। एनआईए की ओर से यह छापेमारी महाराष्ट्र, जम्मू-कश्मीर, उत्तर प्रदेश, असम और दिल्ली में छापेमारी की गई थी। यह कार्रवाई आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े मामलों को लेकर की गई थी। एनआईए ने जम्मू-कश्मीर में बारामूला और अन्य क्षेत्रों

में भी छापेमारी की थी। बारामूला में मौलवी इकबाल भट के घर पर एनआईए ने सुरक्षा बलों की मदद से तलाशी ली थी। एनआईए की इस कार्रवाई से पहले 1 अक्टूबर को पश्चिम बंगाल के कई जिलों में छापेमारी की गई थी। 1 अक्टूबर को एनआईए की टीम ने दक्षिण 24 परगना, आसनसोल, हावड़ा, नदिया और कोलकाता में 11 जगहों पर छापेमारी की थी। बता दें कि एनआईए की यह कार्रवाई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जम्मू-कश्मीर के दौरे से एक दिन पहले हुई है। पीएम मोदी 6 जून को जम्मू-कश्मीर के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान पीएम 46 हजार करोड़ की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे।



आरसीबी की जीत के जश्न के दौरान हुई भगदड़ में अनमोल जानें गई और कई लोग घायल हुए, यह बेहद पीड़ादायक है। उन्होंने पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उल्लेखनीय है कि बेंगलुरु में आरसीबी की जीत के दौरान चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर भगदड़ में 07 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है और कई अन्य घायल हैं। वहीं इस बात की भी

बेंगलुरु भगदड़ पर केंद्रीय मंत्री किरें रिजिजू ने जताया दुःख, कहा- हम पीड़ित परिवारों के साथ खड़े हैं

एजेंसी नई दिल्ली । केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरें रिजिजू ने गुरुवार को बेंगलुरु भगदड़ पर दुःख जताया। साथ ही उन्होंने घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने कहा कि हम दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना करते हैं। बेंगलुरु भगदड़ पर केंद्रीय मंत्री किरें रिजिजू ने कहा, घटना से जुड़े लोग अपने-अपने तरीके से प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

हालांकि, मैं इस घटना में मारे गए लोगों और उनके परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। साथ ही हम दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना करते हैं और प्रभावित परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है। केंद्रीय

मंत्री किरें रिजिजू ने वक्फ कानून पर भी बात की। उन्होंने कहा, "वक्फ



संशोधन अधिनियम, जिसे 'उम्मीद अधिनियम' के रूप में भी जाना जाता है, के बाद हमने कई पहलुओं पर विचार किया है और वक्फ संपत्तियों के बेहतर प्रबंधन की दिशा में एक बड़ा कदम उठाने वाले हैं। 6 जून को हम वक्फ 'उम्मीद पोर्टल'

और मुझे लगता है कि काम करने में किसी तरह की देरी नहीं होनी चाहिए। यह पूरे देश के लिए बनाया गया एक पोर्टल है, जिसके लॉन्च होने के बाद इसी पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन होगा और सभी मुतवल्ली वक्फ प्रॉपर्टी की डिटेल्स को पोर्टल पर अपलोड करेंगे।

फिल्म सिटी निर्माण की उलटी गिनती शुरू, जल्द रस्ती जाएगी आधारशिला

ग्रेटर नोएडा । यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के सेक्टर- 21 में प्रस्तावित अंतरराष्ट्रीय फिल्म सिटी के पहले चरण का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है। निर्माणस्थल पर 10 से अधिक जेसीबी मशीनों और 20 से अधिक ट्रैक्टर-ट्रोलियों की मदद से भूमि को समतल करने और तारबंदी का काम युद्धस्तर पर शुरू कर दिया गया है। अगले कुछ दिनों में फिल्म सिटी की आधारशिला रखी जाएगी, जिसकी तैयारी को लेकर तेजी से काम किया जा रहा है। फिल्म निर्माता बोनी कपूर और भूटानी युग्म के कंसोर्शियम बेब्यू भूटानी फिल्म सिटी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा इस परियोजना का विकास किया जा रहा है। पहले चरण में 230 एकड़ भूमि पर स्टूडियो और अन्य बुनियादी संरचनाओं का निर्माण किया जाएगा। अनुमान है कि एक सप्ताह के भीतर फिल्म सिटी की आधारशिला रख दी जाएगी। इस दौरान केंद्र और राज्य सरकार के प्रतिनिधियों के शामिल होने की संभावना जताई जा रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए साइट पर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत तारबंदी और चारदीवारी का निर्माण कार्य शुरू किया गया है। फिल्म सिटी में विभिन्न प्रकार के स्टूडियो, बाजार, अस्पताल, धर्मस्थल, पुलिस थाना और अन्य आवश्यक ढांचों का निर्माण प्रस्तावित है। निर्माण की प्रक्रिया शुरू होने के बाद डेढ़ वर्ष के भीतर इस प्रोजेक्ट को क्रियान्वित करने की योजना है।

बेंगलुरु भगदड़ को लेकर भाजपा प्रवक्ता सबित पात्रा ने कर्नाटक सरकार से पूछे गंभीर सवाल

नई दिल्ली । भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सबित पात्रा ने बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टैडियम के बाहर हुई भगदड़ को लेकर कर्नाटक की कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यह दुखद घटना न केवल कर्नाटक, बल्कि पूरे भारत के लिए शर्मनाक है। उन्होंने इस हदसे में 11 लोगों की मौत पर गहरा दुख जताया और चारवालों के शोष स्वस्थ होने की कामना की। पात्रा ने कहा, हम सभी इस दुखद प्रेस वार्ता में शामिल हैं। काश हमें यह प्रेस वार्ता न करनी पड़ती। चिन्नास्वामी स्टैडियम में भगदड़ में 11 बेगुनाह लोगों की जान चली गई। हम शोक प्रकट करते हैं और ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि उनके परिवारों को धैर्य और शक्ति मिले। पात्रा ने इस घटना को महज हदसा नहीं, बल्कि सरकार की वजह से हुई भगदड़ बताया। उन्होंने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के बयान पर नाराजगी जताई, जिसमें उन्होंने कहा था कि ऐसी भगदड़ अन्य जगहों पर भी होती रहती है। पात्रा ने इसे गैर-जिम्मेदाराना बयान करार देते हुए कहा, «मुख्यमंत्री इसे सामान्य बताने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि 11 लोगों की जान चली गई। न भारत, न कर्नाटक और न ही बेंगलुरु के लोग मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री को माफ करेंगे।

मृतकों को 2 करोड़ रुपये का मुआवजा दिया जाना चाहिए- प्रमोद तिवारी

नई दिल्ली । कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने बेंगलुरु भगदड़ पर दुख जताते हुए मांग की है कि मृतकों के परिजनों को 2 करोड़ रुपये का मुआवजा दिया जाए। समाचार एजेंसी से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि यह बहुत दर्दनाक और दुखद घटना है। मैं मरने वालों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूँ और घायलों के लिए प्रार्थना करता हूँ। कर्नाटक सरकार ने मुआवजे का ऐलान किया है। यह पूरा मामला कर्नाटक क्रिकेट बोर्ड के अधिकार क्षेत्र में आता है। जैसा कि मैं जानता हूँ, आरसीबी में एक विदेशी कंपनी की बड़ी हिस्सेदारी है और आरसीबी ने करीब 400 करोड़ रुपये से अधिक कमाए हैं। इसलिए अगर वे यह पैसा 11 मृतकों में में दो करोड़ के तौर पर बांटते हैं, तो 22 करोड़ रुपये होंगे। घायलों को 25-50 लाख रुपये का मुआवजा दिया जाना चाहिए। इसमें कई घायल ऐसे भी होंगे जो दिवंगन हो गए। ऐसे घायलों को अधिक मुआवजा दिया जाना चाहिए। इसके साथ ही मैं मांग करता हूँ कि इस घटना की जांच होनी चाहिए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटना दोबारा न हो। संसद के मॉनसून सत्र को लेकर कांग्रेस सांसद ने कहा कि पीएम मोदी का लोकतंत्र में विश्वास नहीं है। सत्र के संचालन के दौरान पीएम मोदी शामिल नहीं होते हैं। पीएम मोदी सच्चाई का सामना नहीं करना चाहते हैं। वह नहीं चाहते हैं कि विपक्ष पहलगाम आतंकी हमले को लेकर सवाल पूछे। लेकिन, हम चाहते हैं कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर भारतीय सेना के शौर्य का गुणगान किया जाए। लेकिन, पीएम अपना गुणगान करवाना चाहते हैं सेना के गुणगान नहीं। उन्होंने कहा कि मॉनसून सत्र की घोषणा बेईमानी तरीके से की गई है।

ज्योति मल्होत्रा को 9 जून को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अदालत में किया जाएगा पेश

नई दिल्ली। पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोपों में घिरी ज्योति मल्होत्रा के वकील कुमार मुकेश ने बताया कि उनके मुवकिल को 9 जून को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अदालत में पेश किया जाएगा। इसके बाद आगे फैसला किया जाएगा कि उनके खिलाफ क्या कार्रवाई की जानी चाहिए। वकील कुमार मुकेश ने इस बारे में समाचार एजेंसी आईएनएस से बातचीत की। कुमार मुकेश ने कहा कि पाकिस्तान के लिए जासूसी के आरोप में गिरफ्तार जसबीर सिंह के बारे में पंजाब पुलिस कह रही है कि इसके ज्योति मल्होत्रा से लिंक हो सकते हैं। पुलिस इस तरह का दावा इस आधार पर कर रही है, क्योंकि दोनों ही यूट्यूब चैनल चलाते हैं। हो सकता है कि दोनों के बीच लिंक हो, लेकिन इसका मतलब यह तो नहीं हो जाता है कि ज्योति मल्होत्रा भी जासूस हो। उन्होंने कहा कि अब पुलिस जब इस मामले में आरोपपत्र दाखिल करेगी, तभी यह साफ जाहिर हो सकेगा कि अब तक पुलिस ने ज्योति मल्होत्रा से क्या-क्या कबूल करवाया है।

राहुल गांधी के बयान पर बोले नड्डा, सरेंडर करने का कांग्रेस पार्टी का रहा है इतिहास

एजेंसी नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने राहुल गांधी पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि सरेंडर व्े करते होंगे, कांग्रेस पार्टी ने किया होगा, उनके नेताओं ने सरेंडर किया होगा क्योंकि कांग्रेस का इतिहास ही ऐसा रहा है लेकिन भारत कभी सरेंडर नहीं करता। सरेंडर कांग्रेस पार्टी की शब्दकोश में है, उनके डी एन ए में है। नड्डा ने एक्स पर बयान जारी करते हुए कहा कि राहुल गांधी को अपनी पार्टी की सरकारों का कार्यकाल याद करना चाहिए किस तरह इन्होंने इतिहास में %सरेंडर% किया। कांग्रेस की सरकार ने आतंकवाद के सामने सरेंडर किया, शर्म-अल-शेख में सरेंडर किया, 1971 की लड़ाई जीतने के बाद शिमला में टेबल पर सरेंडर किया, सिंधु जल समझौते में सरेंडर किया, हज्जी पीर का दर्रा सरेंडर किया, छब्ब सेक्टर का 160 किमी का इलाका सरेंडर किया, 1962 की लड़ाई में सरेंडर किया, 1948 में सरेंडर किया और यहां तक

कि देश की आजादी के समय मुस्लिम लीग के भी सामने सरेंडर किया।उन्होंने कहा कि राहुल गांधी द्वारा भारतीय सेना के अप्रतिम शौर्य

एवं पराक्रम को 'सरेंडर' कहकर संबोधित करना, न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है बल्कि भारतीय सेना और राष्ट्र के साथ-साथ 140 करोड़ भारतवासियों की भी शर्म अपमान है। अगर कोई पाकिस्तानी भी ऐसा कहता तो हम उस पर हंसें भी लेकिन जिस तरह से ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान में तबाही मचाई, उसके बाद पाकिस्तान की जनता से लेकर उसकी सेना और

पेंशन अदालतों से 18 हजार से अधिक शिकायतों का हो चुका है निस्तारण- डॉ. जितेन्द्र सिंह

एजेंसी नई दिल्ली।केंद्रीय कार्मिक लोक शिकायत एवं पेंशन राज्यमंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह ने पेंशन संबंधी शिकायतों के लिए समयबद्ध निवारण तंत्र बनाने का आह्वान किया। नई दिल्ली में आयोजित 13वें अखिल भारतीय पेंशन अदालत कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. जितेन्द्र सिंह ने बताया कि सितंबर 2017 में शुरुआत के बाद से देशभर में 12 पेंशन अदालतें आयोजित की गई हैं, जिनमें कुल 25,416 मामले आए हैं। इनमें से 18,157 सफलतापूर्वक हल किए गए हैं। यानी समाधान दर 71 प्रतिशत से अधिक है। उन्होंने भारत के पेंशनभोगियों की गरिमा सुनिश्चित करने के लिए प्रशासनिक संवेदनशीलता और दक्षता की आवश्यकता पर बल दिया। डॉ.

जितेन्द्र सिंह ने कहा कि पेंशन अदालत मॉडल हल के वर्षों में किए



गए सबसे नागरिक-हितैषी सुधारों से एक है। जितेन्द्र सिंह ने कहा कि एक पेंशनभोगी, जिसने राष्ट्र के लिए जीवन भर सेवा की है, उसे अपने हक के लिए इधर-उधर भटकना नहीं चाहिए। उन्होंने विभागों से ऐसे मामलों को सुलझाने में समग्र सरकार का दृष्टिकोण अपनाने का आग्रह

नहीं बल्कि पूर्वानुमानित, प्रौद्योगिकी द्वारा समर्थित और करुणा से प्रेरित होना चाहिए। डॉ. जितेन्द्र सिंह ने पेंशन और पेंशनभोगियों के एक बड़े और अक्सर कमजोर वर्ग की ज्वलंत चिंताओं को स्वीकार करने वाले विषय को चुनने के लिए पेंशन और पेंशनभोगी विभाग को बधाई दी।

अगले साल नवंबर से दिल्ली में केवल स्वच्छ इंधन बसों को मिलेगा प्रवेश - सीएक्यूएम

एजेंसी नई दिल्ली। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने राजधानी में प्रदूषण मानकों को पूरा नहीं करने वाले वाहनों पर अगले साल नवंबर से प्रवेश पर रोक लगा दी है। इनमें स्कूल बसें और पर्यटक गाड़ियां भी शामिल हैं। सीएक्यूएम ने जारी एक निर्देश में कहा कि एक नवंबर 2026 से स्वच्छ मोड अर्थात बीएस-ड्यूडू डीजल, सीएनजी, ईवी पर चलने वाले अनुबंध कैरिज परमिट, संस्थान या स्कूल बस परमिट, अखिल भारतीय पर्यटक परमिट आदि के तहत चलने वाली बसें ही दिल्ली में प्रवेश कर सकेंगी।

हालांकि दिल्ली में पंजीकृत बसों पर प्रतिबंध लागू नहीं होगा। वहीं आयोग 23 अप्रैल को इस साल नवंबर से दिल्ली में बीएस-ड्यूडू, सीएनजी, एलएनजी और ईवी के अलावा सभी वाणिज्यिक माल वाहनों जैसे एलजीवी, एमजीवी और

एचजीवी के प्रवेश पर सख्त प्रतिबंध लगा चुका है। आयोग ने दिल्ली



सरकार के परिवहन विभाग और ट्रैफिक पुलिस को निर्देश दिया है कि वे दिल्ली की सीमाओं पर एएनपीआर और आरएफआईडी जैसे तकनीकी उपायों की मदद से इन नतीकों का सख्ती से पालन कराएं।

कहा है कि वे इन निर्देशों की जानकारी सभी संबंधित लोगों तक पहुंचाएं, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि 31 अक्टूबर 2026 के बाद सिर्फ अनुमति प्राप्त बसें ही दिल्ली में आ सकें।

अब्न्दाता के साथ ऊर्जादाता भी बनें हमारे किराना : शिवराज चौहान

एजेंसी नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान नेशनल सोलर एनर्जी फेडरेशन ऑफ इंडिया (एनएसईएफआई) द्वारा आयोजित 'राष्ट्रीय कृषि-नवीकरणीय ऊर्जा किसान सम्मेलन 2025' में कहा कि किसानों को अन्नदाता के साथ उर्जादाता भी बनना चाहिए। उन्होंने फेडरेशन द्वारा तैयार कृषि और नवीकरणीय ऊर्जा पर रिपोर्ट एवं वार्षिक संदर्भ पुस्तिका का विमोचन किया। शिवराज सिंह ने बताया कि 2014-15 के बाद प्रधानमंत्री के नेतृत्व में उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उत्पादन 40 प्रतिशत बढ़ चुका है। गेहूँ, चावल, मक्का, मूँगफली में उत्पादन बढ़ रहा है लेकिन अब हमें दलहन-तिलहन के

उत्पादन में बढ़ोतरी के लिए कदम उठाने होंगे। शिवराज सिंह ने कहा कि



बिना कृषि के भारत का काम नहीं चल सकता। 50 प्रतिशत लोगों को आज भी कृषि से रोजगार मिलता है। बदलते समय के अनुसार अब

ईटीग्रेटेड फार्मिंग यानी एकीकृत कृषि प्रणाली को भी अपनाना होगा, इसके

कि किसानों को बिजली उपलब्ध कराने के लिए सोलर पैनल बड़ा माध्यम बन सकता है। किसानों के लिए ऊर्जा सुनिश्चित करने हेतु पीएम कुसुम योजना इसी दिशा में काम कर रही है। उन्होंने कहा कि ऐसा कसम हमारे छोटे और मध्यम स्तर के किसानों को अन्नदाता के साथ-साथ ऊर्जादाता भी बना देगा। इस मॉडल को और अधिक विकसित करने के साथ-साथ इस पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। भविष्य में अगर इसका कारगर और आधुनिकतम मॉडल संज्ञान में लाया जाता है तो निश्चित तौर पर सरकार इसे आगे बढ़ाने में मदद करेगी। चौहान ने 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस को सार्थक बनाने का आह्वान किया और कहा कि पर्यावरण बचाने में सौर ऊर्जा मील का पत्थर साबित हो सकती है।

शिक्षा मंत्री प्रधान ने ‘एक पेड़ मां के नाम 2.0’ पहल में भागीदारी के लिए किया आह्वान

एजेंसी नई दिल्ली। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मदे प्रधान ने ‘एक पेड़ मां के नाम 2.0’ पहल में भागीदारी के लिए एक वीडियो संदेश जारी किया। इस अनूठी पहल का उद्देश्य 5 जून से 30 सितंबर के बीच 10 करोड़ पेड़ लगाना है। मंत्री ने लोगों से अपील की कि वे अपनी मां के नाम पर एक पेड़ लगाकर न केवल पर्यावरण संरक्षण में योगदान दें, बल्कि अपने जीवन में प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी और श्रद्धा भी व्यक्त करें। यह अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मिशन लाइफ' दृष्टिकोण का हिस्सा है, जिसका मकसद पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन बनाना है। धर्मदे प्रधान ने कहा कि यह पहल न केवल हरित भारत की दिशा में कदम है,

बल्कि यह हमें हमारे भविष्य के लिए एक बेहतर पर्यावरण तैयार करने की प्रेरणा भी देती है। उन्होंने सभी नागरिकों से इसमें सक्रिय भागीदारी करने का अनुरोध किया। अब तक



इस पहल के तहत देशभर में 5.5 करोड़ से अधिक पेड़ लगाए जा चुके हैं। विशेष रूप से छात्रों ने इसमें बहु-चक्रर हिस्सा लिया है। 29 लाख से अधिक छात्रों ने भाग लेकर 50 लाख से अधिक क्यूआर कोड लगाए हैं, जिनके माध्यम से वृक्षारोपण का डेटा संकलित किया जा रहा है।

साल 2027 में जातियों के साथ दो चरणों में होगी जनगणना

दो चरणों में पूरी हुई थी। 2021 में होने वाली जनगणना कोविड-19 महामारी के कारण स्थगित कर दी गई थी। गृह मंत्रालय के अनुसार, केंद्र



शासित प्रदेश लद्दाख और जम्मू-कश्मीर के साथ हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड राज्यों के असमकालिक बर्फीले क्षेत्रों के लिए संदर्भ तिथि 1 अक्टूबर, 2026 को 00.00 बजे होगी। जनगणना अधिनियम, 1948 की धारा 3 के प्रावधान के अनुसार, उपरोक्त संदर्भ तिथियों के साथ

जनगणना कराने के आशय की अधिसूचना संभवतः 16.06.2025 को आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशित की जाएगी।भारत की जनगणना, जनगणना अधिनियम, 1948 और जनगणना नियम, 1990 के प्रावधानों के अंतर्गत की जाती है। भारत की पिछली जनगणना 2011 में दो चरणों में की गई थी, जिसमें दू) चरण दू - मकान सूचीकरण (एचएलओ) (1 अप्रैल से 30 सितंबर 2010) और (द्वद्व) चरण दूद्व - जनगणना (पीई) (09 फरवरी से 28 फरवरी 2011) संदर्भ तिथि - मार्च 2011 के पहले दिन 00:00 बजे के साथ, जम्मू और कश्मीर, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के बर्फ से ढंके असमकालिक क्षेत्रों के लिए यह 11 से 30 सितंबर 2010 के दौरान आयोजित की गई थी और संदर्भ तिथि अक्टूबर 2010 के पहले दिन 00.00 बजे थी।

ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री मार्लेस ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की

एजेंसी नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्लेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में हुए संघीय चुनाव में ऑस्ट्रेलियाई लेबर पार्टी की ऐतिहासिक जीत पर उप प्रधानमंत्री मार्लेस को बधाई दी।प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के अनुसार, दोनों नेताओं ने भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए विचारों का आदान-प्रदान किया। उन्होंने रक्षा औद्योगिक सहयोग, लचीली आपूर्ति श्रृंखला, महत्वपूर्ण खनिजों, नई और उभरती प्रौद्योगिकियों जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के महत्व को रेखांकित किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक्स पर पोस्ट किया, ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री रिचर्ड मार्लेस से मिलकर खुशी हुई। भारत-ऑस्ट्रेलिया

व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत बनाने पर सार्थक चर्चा हुई, जिसकी आज पांचवीं वर्षगांठ है।



स्थिर, सुरक्षित और समृद्ध हिंद-प्रशांत के लिए हमारा साझा दृष्टिकोण हमारे सहयोग का मार्गदर्शन करता रहेगा। उप प्रधानमंत्री मार्लेस ने सीमा पर आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई में ऑस्ट्रेलिया के समर्थन को दोहराया। प्रधानमंत्री मोदी ने इस वर्ष के अंत में भारत में आयोजित होने वाले वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए प्रधानमंत्री अल्बानीज को निमंत्रण दिया।

स्वास्थ्य सेवा में एआई के लिए उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करेंगे आईआईटी दिल्ली और एम्स दिल्ली

एजेंसी नई दिल्ली। देश के दो प्रमुख संस्थानों आईआईटी दिल्ली और एम्स दिल्ली ने हेल्थकेयर में एआई के लिए उत्कृष्टता केंद्र (एआई-सीओई) स्थापित करने के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर

हस्ताक्षर किए। आईआईटी दिल्ली में आयोजित समारोह में एम्स दिल्ली के निदेशक प्रोफेसर एम. श्रीनिवास और आईआईटी दिल्ली के निदेशक प्रोफेसर रंगन बनर्जी ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। प्रो. श्रीनिवास ने कहा कि यह समझौता

ज्ञापन दूरगामी सहयोगात्मक अनुसंधान की शुरुआत है, जिसमें देश में स्वास्थ्य सेवा की सूरत बदलने की क्षमता है। वहीं, प्रो. रंगन बनर्जी ने कहा कि एम्स और आईआईटी दिल्ली के बीच साझेदारी में किरायाती स्वास्थ्य

सेवा के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को बदलने की क्षमता है। यह केंद्र देश में प्रमुख राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों का समर्थन कराने के लिए एआई-आधारित समाधान विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करेगा। पिछले साल, दोनों

संस्थानों को अत्यधिक प्रतिस्पर्धी चयन प्रक्रिया के बाद भारत में एआई बनाएँ, भारत के लिए एआई काम करें पहल के तहत शिक्षा मंत्रालय द्वारा 330 करोड़ रुपये के अनुदान दिया गया था। प्रस्तावित उत्कृष्टता केंद्र अनुदान के लिए

कार्यान्वयन माध्यम होगा। एआई-सीओई देश में प्रमुख राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों का समर्थन करने के लिए एआई-आधारित समाधान विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करेगा। इस केंद्र का उद्देश्य स्वास्थ्य सेवाओं को

बेहतर बनाने, स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं को बेहतर बनाने और देश के हर नागरिक को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए अत्याधुनिक एआई समाधान विकसित करना है। एआई-सीओई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर

एक प्रमुख अनुसंधान और संसाधन केंद्र के रूप में काम करेगा और इसका उद्देश्य स्वदेशी रूप से विकसित एआई सिस्टम और समाधानों का उपयोग करके राष्ट्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली में क्रांति लाना है।

सीडीएस-सीजेआई के विदेशी धरती पर महत्वपूर्ण बयान

भारत के सीडीएस चौहान ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत को हुए नुकसान को स्वीकार करते हुए कहा कि सामरिक गलतियों के कारण हवाई संपत्तियों का शुरूआत में नुकसान हुआ, लेकिन स्थिति को जल्दी ही संभाल लिया गया। जनरल ने यह भी कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में 15 फीसदी समय फजी 'खबरों से निपटने में लगा।

हम अक्सर नेताओं के भाषण सुनते हैं जिनमें लगभग सभी का यही दावा होता है कि वे जो कह रहे हैं वही जनता के हित में है। अक्सर मिलते ही वे हर मुद्दे पर बोलते हैं। फिर चाहे उस मुद्दे पर इनका ज्ञान लगभग शून्य ही क्यों न हो। ऐसे में देखा गया है कि विशेषज्ञ और बड़े पदों पर बैठे बुद्धिमान और जिम्मेदार दिमाग ज्यादातर चुपी साध लेते हैं क्योंकि वे जब भी बोलते हैं सत्ता के पि़ या तो समझ नहीं पाते या फिर उन्हें इस तरह घेरते हैं जैसे उन्होंने कोई देश विरोधी बात कह दी हो, गुनाह कर दिया हो। वही हिस्से-फिटे चेहरे टीवी चैनलों पर आकर उन्हें दोषी ठहराने लगते हैं। कई गंभीर मुद्दे यहां 'ऐलिस इन वंडरलैंड' की तरह खो जाते हैं। सियासी दलों को भले ही जवाब देने में थोड़ी देरी हुई हो। उन्होंने कहा कि सार्थक विचार कभी आगे नहीं बढ़ पाते। शायद यही वजह है कि विशेषज्ञ देश के भीतर कुछ बोलने में हिचकते हैं लेकिन जब अंतरराष्ट्रीय मंचों पर बोलने का अवसर मिलता है तो वे बेहद सधे हुए ढंग से अपनी बात रखते हैं क्योंकि बड़े मंचों पर आप केवल 'पॉलिटिकली मोटिवेटेड+' नहीं हो सकते। वहां आप अपने विषय के विशेषज्ञ हैं। इस सप्ताह देश के दो बड़े ओहदों से देश के बाहर से जरूरी बातें सामने आई हैं जिसे सबको सुनना चाहिए। ये दो आवाजें हैं- भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई और चीफ ऑफ डिफेंस स्टफ़ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान की।

भारत के सीडीएस चौहान ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत को हुए नुकसान को स्वीकार करते हुए कहा कि सामरिक गलतियों के कारण हवाई संपत्तियों का शुरूआत में नुकसान हुआ, लेकिन स्थिति को जल्दी ही संभाल लिया गया। जनरल ने यह भी कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में 15 फीसदी समय फजी 'खबरों से निपटने में लगा। सिंगापुर में शंगरी-ला डायलॉग में बोलते हुए जनरल ने कहा कि-भारत की रणनीति तथ्यों पर आधारित रही, फिर भले ही जवाब देने में थोड़ी देरी हुई हो। उन्होंने कहा कि इससे साफ होता है कि भारत को सूचना युद्ध (इन्फार्मेशन वारफेयर) के लिए एक अलग और विशेष शाखा की जरूरत है। जनरल चौहान ने कहा कि आर्थिक दृष्टिकोण से देखा जाए तो बिना लड़ाई के लंबे समय तक सेना को तैनात करना बहुत महंगा पड़ता है। इसलिए भारत ऑपरेशन के बाद जल्दी से डिसइंगेज कर लेता है। लंबे युद्ध देश के विकास में बाधा डालते हैं और यह बात दुश्मन भी जानता है। जनरल चौहान ने शनिवार (31 मई) को सिंगापुर में आयोजित शंगरी-ला डायलॉग में ब्लूमबर्ग और रॉयटर्स को दिए स्टूटच्यू में भारत-पाकिस्तान संघर्ष से कसम उठाए। बातचीत की उसे ऑपरेशन सिंदूर पर दी गई बेहद दुर्लभ लेकिन आधिकारिक जानकारी माना गया है। अजीब यह है कि ऐसे संवाद अब देश के भीतर सुनने को नहीं मिलते, जैसे कोई सुनियोजित ढंग से इसे खत्म करना चाह रहा हो।

उनकी तीन खास बातों में पहल.

दिन भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमान खोने का जिक्र भी था। जनरल चौहान ने पहली बार यह स्वीकार किया कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत द्वारा शुरू किए गए सैन्य अभियान 'ऑपरेशन सार्थक' को लेकर भी भारतीय वायुसेना के कुछ लड़ाकू विमान नष्ट हो गए थे। उन्होंने इन 'प्रारंभिक नुकसानों' के लिए रणनीतिक चूक को जिम्मेदार ठहराया। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि कितने विमान गिरे थे। उन्होंने पाकिस्तान के उस दावे को 'पूरी तरह गलत' कहा जिसमें छह भारतीय फाइटर जेट्स को मार गिराने की बात कही गई थी। जनरल चौहान ने जोर दिया कि संख्या नहीं, बल्कि यह समझना जरूरी है कि ये नुकसान क्यों हुए और उनसे कैसे सबक लिया गया। इन नुकसानों के बाद, भारतीय वायुसेना ने लगभग दो दिन तक अपने सभी फाइटर जेट्स की उड़ानें रोक दी थीं। इस दौरान रणनीति की समीक्षा की गई और सुधार किए गए। ब्लूमबर्ग से बातचीत में जनरल चौहान ने कहा, 'हमने यह समझा कि हमने किस स्तर पर टैक्टिकल गलती की थी। उसे ठीक किया, उसमें सुधार किया और दो दिन बाद फिर से सभी विमान उड़ाए और लंबी दूरी से लक्ष्य साधा।। इस रणनीतिक विराम से वायुसेना को फिर से संगठित करने और पाकिस्तान के भीतर गहराई तक सटीक हमले करने का मौका मिला। एक और बात जिससे पाकिस्तान को 'कष्ट' दुश्मन। बताने का भारतीय मीडिया का नैरेटिव खराब होता है, वह भी जनरल चौहान ने कही कि तनावपूर्ण स्थिति के बावजूद दोनों देशों ने संयम और समझदारी दिखाई। किसी भी पक्ष ने स्थिति को परमाणु युद्ध की ओर नहीं बढ़ने दिया। 'रॉयटर्स' से बातचीत में उन्होंने कहा-, 'ऑपरेशन सिंदूर' के हर चरण में दोनों पक्षों ने सौच-समझकर और जिम्मेदारी से कसम उठाए। उन्होंने परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की संभावना को 'बहुत दूर की बात। कहकर खारिज किया और यह भी बताया कि दोनों देशों के बीच संवाद के रास्ते खुले रहे, जिससे संकट को नियंत्रित किया जा सका। होना तो यह चाहिए था कि इन गंभीर बातों को गंभीरता से लिया जाता लेकिन देश के जिम्मेदारों की रुचि तो तीनों सेना प्रमुखों को आईपीएल मैच देखने के लिए न्यूता देते में (जिसे स्वीकार नहीं किया गया) रही, कर्नल खोफिया कुरेशी के परिवार से सरकार पर फूल बरसाने में और मध्यप्रदेश के उप मुख्यमंत्री की सुनें तो यह बताने में रही कि 'देश की सेना भी हमारे नेता के चरणों में नतमस्तक है।। अफसोस कि देश के लिए सर्वस्व न्यूछावर करने की प्रतिबद्धता के साथ जीने वालों की शान के खिलाफ आए इस बयान पर कोई सशक्त प्रतिकार सत्ता पक्ष की ओर से नहीं आता।

क्या ब्रेड खाने से कब्ज होती है? एक्सपर्ट्स से जानें

अगर आप रोजाना ब्रेकफास्ट में ब्रेड खाते हैं तो यह खबर आपके लिए काम की हो सकती है। अब ब्रेड कई तरह की आने लगी है. सामान्य तौर पर ब्रेड को मैदा डाला जाता है. सफेद ब्रेड में फाइबर भी न के बराबर होता है. इसके अलावा ब्रेड के बासी होने पर भी कई तरह के नुकसान होते हैं. लेकिन क्या ब्रेड खाने से कब्ज हो सकती है. ये सहेत के लिए कितना खतरनाक है? इस बारे में एक्सपर्ट्स से जानते हैं. ब्रेड खाना सामान्य तौर पर सुरक्षित ही माना जाता है. कहा जाता है कि ब्रेड पचने में आसान होती है, जिससे पेट संबंधी बीमारियां होने की आशंका कम ही रहती है. अक्सर बीमार होने पर लोग रोटी की जगह ब्रेड खाने लगते हैं. लेकिन मेडिकल साईंस इन बातों को सही नहीं मानती है.

ब्रेड बन सकता है कब्ज का कारण

दिल्ली के राजीव गांधी अस्पताल में एडिशन प्रोफेसर डॉ अजीत जैन बताते हैं कि ब्रेड में फाइबर न के बराबर होता है. जिससे पाचन तंत्र प्रभावित होता है. फाइबर खाने को पचाने में मदद करता है. जिससे मल त्याग करने में आसानी होती है. फाइबर की कमी से मल त्याग करने में मुश्किल हो सकती है. यदि आप नियमित रूप से ब्रेड खाते हैं तो शरीर को पर्याप्त फाइबर नहीं मिल पाता है, जिसके कारण भोजन पचने में परेशानी होती है और कब्ज की शिकायत हो सकती है. नियमित रूप से ब्रेड खाने से पाचन तंत्र भी कमजोर होता है. इसके अलावा ब्रेड के कारण पेट फूलने, गैस और एसिडिटी की भी समस्या होती है.

क्या ब्रेड कैन्सर का बन सकता है कारण

नेशनल लाइवर्ज़ ऑफ मेडिसिन के मुताबिक, ब्रेड की खपत और कैन्सर को लेकर कई तरह की रिसर्च की गई है, लेकिन ब्रेड का पेट या अन्य किसी कैन्सर के होने से सीधा संबंध नहीं पाया गया है. ऐसा नहीं है कि जो लोग ब्रेड खाते रहे हैं उनको इससे कोई विशेष प्रकार का कैन्सर हुआ है, हालांकि ब्रेड कब्ज का कारण जरूर बन सकता है.

राजनीति को नई दिशा देते विपक्षी दलों के नये चेहरे

- **ललित गर्ग** -

सिंदूर ऑपरेशन के बाद पाकिस्तान दुनिया से सहानुभूति बटोरने के लिये जहां विश्व समुदाय में अनेक भ्रम, भ्रांतिया एवं भारत की छवि को छिछालेदार करने में जुटा है, वहीं भारत का डर दिखा-दिखा कर ही पाक अनेक देशों से आर्थिक मदद मांग रहा है। इन्हीं स्थितियों को देखते हुए दुनिया के सामने भारत का पक्ष रखने के लिए केंद्र सरकार ने जिस तरह से सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों का गठन किया है और इन दलों में विपक्षी दलों के सांसद एवं नेताओं ने भारत का पक्ष बिना अग्रह, दुराग्रह एवं पूर्वाग्रह के दुनिया के सामने रखा, उसकी जितनी सराहना की जाये, कम है। इन विपक्षी नेताओं ने विदेश में भारतीय राष्ट्रवाद को सशक्त एवं प्रभावी तरीकों से व्यक्त किया। देश ने इन नेताओं को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते और एक लय में आगे बढ़ते देखा, जबकि संसद में वे केवल आपस में लड़ते दिखलाई देते थे। यह सराहनीय पहल भारत के लिये एक बड़ी उपलब्धि बनी है, जो भारत की भविष्य की राजनीति के भी नये संकेत दे रही है। क्योंकि इसने भारत में एक नए एवं सकारात्मक राजनीतिक नेतृत्व को उभरता हुआ दिखाया है। यूं तो सात दलों के सभी सदस्यों ने भरपूर तरीके से शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत का पक्ष रखकर दुनिया को भारत के पक्ष में करने की सार्थक पहल की है, लेकिन कांग्रेस के शशि थरूर एवं एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी एक नये किस्तर में नजर आये हैं। थरूर को लेकर कांग्रेस पार्टी में प्रारंभ से ही विरोध एवं विरोधाभास की स्थितियां बनी हुई। विदेशों में सटीक एवं प्रभावी भारतीय पक्ष रखने के कारण शशि थरूर जहां असंख्य भारतीयों की वाह-वाही लुट रहे हैं, वहीं कांग्रेस पार्टी में उनका भारी विरोध



हो रहा है। चर्चा एवं विवादों में चल रहे शशि थरूर केरल के तिरुवंतपुरम से चार बार के कांग्रेस के सांसद हैं। वे एक ऐसे कूटनीतिज्ञ राजनेता हैं, जो अपने राजनीतिक कौशल का प्रदर्शन करना जानते हैं। वे एक ऐसे स्वतंत्र सोच एवं साहसी निर्णय लेने वाले नेता भी हैं जो अपनी पार्टी के रुख से अलग भी स्टैंड लेते रहे हैं। लेकिन ताजा सन्दर्भों में वे कांग्रेस के लिए अब असहज सच्चाई बन गए हैं। क्योंकि थरूर ने वह सब कुछ किया है जिसकी पार्टी में इजाजत नहीं है। प्रतिनिधि मण्डल में थरूर के नाम पर कांग्रेस ने आपत्ति जताई थी, क्योंकि कांग्रेस ने केंद्र की थरूर का नाम नहीं दिया था। थरूर ने कहा था- मैं सम्मानित महसूस कर रहा हूं, जब भी राष्ट्रीय हित की बात होगी और मेरी सेवाओं की जरूरत होगी, तो मैं पीछे नहीं रहूंगा।ह थरूर ने कांग्रेस छोड़ने की अटकलों के सवाल पर कहा- जब आप देश की सेवा कर रहे हों, तब ऐसी चीजों की ज्यादा

परवाह नहीं करनी चाहिए। हमारे राजनीतिक मतभेद भारत के बाँडर के बाहर जाते ही खत्म हो जाते हैं। सीमा पार करते ही हम पहले भारतीय होते हैं। थरूर इन दिनों अमेरिकी सहित कई देशों के दौरे पर हैं, जहां वे ऑपरेशन सिंदूर को लेकर बने मल्टी पार्टी डेलीगेशन को सुपर लीड कर रहे हैं। सरकार के समर्थन में बोलने पर कांग्रेस के अनेक नेता थरूर की खिंचाई करने में जुटे हैं। उन्हीं में एक नेता उदित राज ने थरूर को भाजपा का सुपर प्रवक्ता तक बता दिया है। जबकि कांग्रेस नेता राहुल गांधी प्रधानमंत्री मोदी और सत्तारूढ़ भाजपा पर ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत-पाकिस्तान युद्धविराम को लेकर लगातार हमलावर हैं।

4 जून 2025 को राहुल गांधी ने तब हद ही कर दी जब उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दबाव में आत्मसमर्पण कर दिया। इतना ही नहीं ये सब कहने का अंदाज भी उनका इतना खराब

था कि जैसे कोई दुश्मन देश का बंदा बोल रहा हो। राहुल गांधी ने यह भी कहा था कि, मैं भाजपा और आरएसएस वालों को अच्छे से जान गया हूं, इनको थोड़ा सा दबाओ तो डर कर भाग जाते हैं। राहुल ने आगे कहा, उधर से ट्रंप ने फोन किया और इशारा किया कि मोदीजी क्या कर रहे हो? नरेंद्र, सुरेंडर और हाजी हुजूर।ह करके मोदीजी ने ट्रंप के इशारे का पालन किया। राहुल गांधी के इस भ्रामक एवं गुमराह करने वाले बयान का थरूर ने जौरदार तरीके से जबाव दिया एवं कांग्रेस पार्टी को ही पेटा। राष्ट्रपति ट्रम्प की भारत-पाक के बीच मध्यस्थता के बयान पर थरूर बोले- मैं यहां किसी विवाद को हवा देने नहीं आया हूं। अमेरिकी राष्ट्रपति का सम्मान है। हमें नहीं पता उन्होंने पाकिस्तान से क्या कहा, पर हमें किसी की सलाह की जरूरत नहीं थी।

अग्रह-दुराग्रह से ग्रसित होकर कांग्रेस के नेता एक-दूसरे को नीचा दिखाने की ही बातें कर रहे

एक और भगदड़, अब जनता ही सावधान रहे



बारिश, गर्मी सबकी भविष्यवाणी पहले से मौसम विभाग कर देता है, तो सरकारें उस हिसाब से व्यवस्था कर सकती है ताकि लोगों को कम से कम तकलीफ हो। इसी तरह अस्पतालों, सड़कों, सार्वजनिक स्थलों पर व्यवस्था चाक-चौबंद करके हादसों को रोक जा सकता है। अब तो आपदा प्रबंधन विभाग भी है। लेकिन फिलहाल देश में आपदा प्रबंधन आग लगने पर कुआं खोदने की तर्ज पर काम करता है।

बंगलुरु मामले में गनीमत इस बात है कि यहां कांग्रेस की राज्य सरकार मुंह छिपाती नहीं फिर रही है। लेकिन फिलहाल देश में आपदा प्रबंधन आग लगने पर कुआं खोदने की तर्ज पर काम करता है। बंगलुरु मामले में गनीमत इस बात है कि यहां कांग्रेस की राज्य सरकार मुंह छिपाती नहीं फिर रही है। लेकिन फिलहाल देश में आपदा प्रबंधन आग लगने पर कुआं खोदने की तर्ज पर काम करता है। जबकि हाथरस और प्रयागराज में महाकुंभ में हुई भगदड़ में भाजपा सरकार का रवैया बिल्कुल उलट रहा। महाकुंभ में तो असल में कितने लोगों की मौत हुई और कितनी भगदड़ मची, यह भी अब तक स्पष्ट नहीं है। अलबत्ता इस बार भाजपा को कांग्रेस सरकार को घेरने का मौका मिल रहा है, तो वह जरा सी कसर नहीं छोड़ रही। राज्य सरकार पर घोर लापरवाही के इल्जाम लगाए जा रहे हैं, इस्तीफा मांगा जा रहा है। लोकतंत्र में विपक्ष का रवैया बिल्कुल ऐसा ही होना चाहिए,

करने का जरिया बनाया जा रहा है, उसमें अच्छई की उम्मीद नहीं दिखती।

अब इस देश की जनता को विचार करना होगा कि आखिर वह कब तक अकारण जान दांव पर लगाती रहेगी। आरसीबी ने पहली बार आईपीएल का खिताब जीता, बहुत अच्छी बात है। लेकिन यह बात मैच खत्म होने और विजेता की ट्राफी मिलने के साथ ही खत्म भी हो जानी चाहिए। मगर मीडिया, सोशल मीडिया इन सबके बनाए चकाचौंध वाले माहौल में आम आदमी अपनी सुधबुध खोकर वही करने लगता है, जो ये चाहते हैं, जिनसे इन्हें मुनाफा होता रहे। विजेता टीम को खुली बस में घुमाना, जीत की पॉड निकालना, उनके स्वागत में जश्न रखना, इन सबमें खिलाड़ियों, टीमों और उनके प्रायोजकों को भारी-भरकम कमाई होती है।

आईपीएल जैसे विशुद्ध व्यावसायिक आयोजन में तो कोई भी टीम हारे या जीते कमाई हर हाल में होती है। पदों के पीछे बैठे कारोबारी हर ओवर पर अरबों की कमाई करते हैं। ये वही लोग होते हैं जो करोड़ों में खिलाड़ियों को खरीदते हैं, फिर उनसे जुड़े किसी भावनात्मक पहलू को लेकर माहौल बनाते हैं। जैसे अभी विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया तो इस बार उनका माहौल बना था और इसलिए आरसीबी की जीत में विराट नायक की तरह पदों पर पेश किए गए।

आईपीएल के कर्ता-धर्ता जानते हैं कि विराट की प्रसिद्धि से मुनाफा कैसे कमाया जा सकता है। उन्होंने मुनाफा कमा लिया, 11 लोगों ने अपनी जान से हाथ धोया और विराट कोहली यह कहकर चलते बने कि उनके पास कहने के लिए शब्द नहीं हैं।

दिल्ली, शनिवार 07.06.2025

infodivyardelhi@gmail.com

हैं, इन कांग्रेसी नेताओं में दायित्व की गरिमा और गंभीरता समाप्त हो गई है। राष्ट्रीय समस्याएं और विकास के लिए खुले दिमाग से सोच की परम्परा उनमें बन ही नहीं रही है। जब मानसिकता दुराग्रहित है तो हठदृष्ट्यकारहू ही होता है। कोई आदर्श संदेश राष्ट्र को नहीं दिया जा सकता। राष्ट्र-विरोधी राजनीति एवं सत्ता-लोलुपता की नकारात्मक राजनीति हमें सदैव ही उल्ट धारणा (विपथगामी) की ओर ले जाती है। ऐसी राजनीति राष्ट्र के मुद्दों को विकृत कर उन्हें अतिवादी दुराग्रहों में परिवर्तित कर देती है। राहुल गांधी एवं कांग्रेस ने राष्ट्रीय संकट में भी यही सब करके आम जनता से अधिक दूरियां बना ली है। शशि थरूर ने तो बड़ी लकीरें खींचने की पात्रता विकसित करेगी? हर राजनीतिक दल को कई बार अग्नि स्नान करना पड़ता है, पर आज कांग्रेस तो हकीचड़ स्नानहू कर रहा है। जहां तक कांग्रेस नेताओं का सवाल है, एक और निहित संदेश सामने आया कि सिर्फ गांधी परिवार ही कांग्रेस का नेतृत्व नहीं कर सकता जबकि भारत की सबसे पुरानी पार्टी में अभी भी प्रतिभाओं का खजाना है, उसके पास अनुभवी नेता हैं, जो जटिल मुद्दों को समझने और नेतृत्व देने में सक्षम हैं।

बड़ी लकीरें तो प्रतिनिधिमण्डल में गये अन्य विपक्षी दलों के नेताओं ने भी खींची हैं। जिनमें एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने विश्व की रासधानियों में भारत की स्थिति और मौजूद विकास को भी रेखांकित किया है। ओवैसी- जो भारत के अल्पसंख्यकों को प्रभावित करने वाले मुद्दों को उठाने के लिए जाने जाते हैं- उन्होंने पाकिस्तान को कड़ी भाषा में आड़े हाथों लिया। यहां तक कि उन्होंने पाकिस्तान द्वारा जारी की गई फर्जी तस्वीरों का जिक्र करते हुए कहा कि

रूस से आयात में भारी कटौती के लिए अमेरिका का भारत पर दबाव

- **अंजन रॉय**

विनिर्माण के उस विशिष्ट समूह के बाहर भारत के लिए विनिर्माण का एक बहुत बड़ा क्षेत्र खुला है, जिसका वह दोहन कर सकता है और देश इन उत्पादों के साथ अमेरिकी बाजार तक पहुंच सकता है। औद्योगिक सहयोग के इन क्षेत्रों में दोनों देशों के लिए लाभ ही लाभ संभव है। वाणिज्य सचिव लुटनिक जिस बात का जिक्र कर रहे थे, उसके पीछे कुछ तर्क और दृष्टिकोण है।

भारत द्वारा रूसी हथियारों और शस्त्रों की खरीद 'अमेरिका को परेशान करती है'। अमेरिकी वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लुटनिक के अनुसार, यह भारत-अमेरिका संबंधों में एक परेशानी है।

इतना कहने के बाद, यह उल्लेख करना भी आवश्यक है कि भारत विविध संपत्तियों वाला एक बड़ा देश है, विशेष रूप से इसके प्रतिभाशाली लोग जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे क्षेत्रों में सफलता प्राप्त करने में सक्षम हैं। वाशिंगटन, डीसी में भारतीय टीवी नेटवर्क, एएनआई के साथ बात करते हुए अमेरिकी वाणिज्य सचिव लुटनिक ने अमेरिकी विचारों को स्पष्ट किया। लुटनिक ने बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की पहली प्राथमिकता उन्नत विनिर्माण में अमेरिका फर्स्ट है। हालांकि, इसके अलावा अमेरिका के पास मित्रों और सहयोगियों के साथ सहयोग के कई क्षेत्र खुले हैं, जिन्हें भारत द्वारा खोजा जा सकता है। लुटनिक ने बताया कि विनिर्माण के इन उच्चतम तकनीक और उन्नत क्षेत्रों में से कुछ को अमेरिका द्वारा एक सुविचारित नीति के रूप में बढ़ावा दिया जा रहा है। विनिर्माण के उस विशिष्ट समूह के बाहर भारत के लिए विनिर्माण का एक बहुत बड़ा क्षेत्र खुला है, जिसका वह दोहन कर सकता है और देश इन उत्पादों के साथ अमेरिकी बाजार तक पहुंच सकता है। औद्योगिक सहयोग के इन क्षेत्रों में दोनों देशों के लिए लाभ ही लाभ संभव है।

वाणिज्य सचिव लुटनिक जिस बात का जिक्र कर रहे थे, उसके पीछे कुछ तर्क और दृष्टिकोण है। आम अमेरिकियों की खपत की जरूरतों को पूरा करने वाले 90पतिशत से अधिक सामान्य माल की आपूर्ति वर्तमान में चीन द्वारा की जा रही थी। इसके परिणामस्वरूप अमेरिका के मुकाबले चीन का व्यापार अधिशेष बहुत अधिक हो रहा था।

डोनाल्ड ट्रंप की नीति के तहत, अमेरिका इस असंतुलन को ठीक करने और इन क्षेत्रों के लिए वैकल्पिक आपूर्ति श्रृंखलाओं को विकसित करने की कोशिश कर रहा है। यह अमेरिकी रणनीति का हिस्सा है और देश को भारत को एक विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता के रूप में बदलने हुए देखकर खुशी होगी। दूसरी ओर, अमेरिकी वाणिज्य सचिव ने सहजता से कहा कि युद्ध ने पर मौजूदा शत्रुतापूर्ण स्थिति के संदर्भ में यदि भारत रूस से अपने सभी हथियारों की खरीद जारी रखता तो तो इससे भारतीय वस्तुओं की खरीद नीति निर्माताओं के बीच भारत के प्रति प्रतिकूल भावनाएं पैदा करेगी। अमेरिका के लिए सबसे ज्यादा परेशान करने वाली बात सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली - तथाकथित एसएसएम-400 की खरीद था, जो पहलगाम में आतंकवादी हमले की घटना को लेकर भारत-पाक टकराव में बेहद मूल्यवान साबित हुई थी। भारत देश में एसएसएम-400 मिसाइल प्रणाली का एक और सेट तैनात करने की योजना बना रहा है।आतंकवादी हमले पर हालिया विवाद से ठीक पहले भारत ने धीरे-धीरे रक्षा उपकरणों और हथियार प्रणाली की खरीद में विविधता ला दी है, जिसमें अमेरिकी हाईवेयर की खरीद भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि हाल ही में भारत ने अमेरिकी प्रणालियों और हथियारों की खरीद शुरू की है। भारत और अमेरिका के बीच सहयोग का एक और क्षेत्र आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) हो सकता है।

रक्षा सहयोग बैठक में यूक्रेन की अपील, रूस को रोकने के लिए जल्द मेजेँ एयर डिफेंस सिस्टम

ब्रसेल्स। यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लाडिमिर जेलेँस्की ने पश्चिमी देशों से आग्रह किया कि वे रूस के मिसाइल हमलों का सामना करने के लिए एयर डिफेंस सिस्टम की आपूर्ति में तेजी लाएं और यूक्रेन की हथियार उत्पादन क्षमता को बढ़ावा देने में मदद करें। ब्रसेल्स स्थित नाटो मुख्यालय में आयोजित यूक्रेन डिफेंस कॉन्फ्रेंस ग्रुप की बैठक में जेलेँस्की ने वीडियो लिंक के माध्यम से हिस्सा लेते हुए कहा, रूस के मिसाइल आतंकवाद को रोकने का सबसे प्रभावी तरीका अमेरिकी पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम है। हमें वादों को कार्यान्वयन में बदलने की जरूरत है। जेलेँस्की ने यह भी कहा कि पश्चिमी सहयोगियों को केवल आपूर्ति ही नहीं, बल्कि रक्षा उत्पादन में यूक्रेन के साथ साझेदारी करने की दिशा में भी ठोस कदम उठाने चाहिए। यूक्रेन का यह आग्रह ऐसे समय आया है जब रूस द्वारा हल के सप्ताहों में मिसाइल और ड्रोन हमलों की तीव्रता में वृद्धि देखी गई है, विशेषकर यूक्रेनी ऊर्जा ढांचे और नागरिक ठिकानों को निशाना बनाया गया है। इस बैठक में लगभग 50 देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए लेकिन अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ पहली बार इस मंच से अनुपस्थित रहे, जो कि अब तक की बैठकों में एक निर्यात और प्रमुख उपस्थिति माने जाते थे। अमेरिका की ओर से कोई वैकल्पिक वरिष्ठ प्रतिनिधि भेजा गया या नहीं, इसकी तत्काल पुष्टि नहीं हो सकी है।

संयुक्त राज्य अमेरिका से समझौता न होने पर मेक्सिको देगा जवाब: राष्ट्रपति शीनबाम

मेक्सिको सिटी। मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम ने स्पष्ट किया कि यदि अमेरिका के साथ स्टील और एल्युमीनियम पर लगाए गए शुल्कों को लेकर कोई समझौता नहीं होता है, तो उनकी सरकार अगले सप्ताह जवाबी उपायों की घोषणा करेगी। एक पत्रकार वार्ता में राष्ट्रपति शीनबाम ने अमेरिका द्वारा घोषित शुल्क बढ़ोतरी को अनुचित कदम करार दिया। उन्होंने कहा, हम जवाब जरूर देंगे, लेकिन वह आख के बदले आख जैसी प्रतिक्रिया नहीं होगी। इस दौरान, राष्ट्रपति शीनबाम ने यह भी संकेत दिया कि उनकी सरकार अभी भी बातचीत के जरिए समाधान की उम्मीद रखती है, लेकिन यदि अमेरिका सकारात्मक रुख नहीं दिखाता तो तो मेक्सिको अपने हितों की रक्षा के लिए जरूरी कदम उठाने को बाध्य होगा। उल्लेखनीय है कि अमेरिका ने हाल ही में स्टील और एल्युमीनियम उत्पादों पर शुल्क बढ़ाने की घोषणा की है, जिसका असर मेक्सिकन निर्यातकों पर भी पड़ेगा। इस अमेरिकी कदम को लेकर मेक्सिको ने कड़ी नाराजगी जताई है और अब प्रतिकारात्मक उपायों पर विचार किया जा रहा है।

ईरान के खामेनेई ने अमेरिकी प्रस्ताव खारिज किया, यूरेनियम संवर्धन जारी रखने का ऐलान

तेहरान। ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्ला अली खामेनेई ने अमेरिकी मध्यस्थ परमाणु प्रस्ताव को ईरानी स्वाधीनता के खिलाफ बताते हुए साफ कर दिया है कि तेहरान अपना यूरेनियम संवर्धन किसी भी हालत में नहीं रोकेंगा। उन्होंने यह बयान उस समारोह में दिया, जहां 1989 में दिवांगत हुए इस्लामी गणतंत्र के संस्थापक आयतुल्ला रहोल्ला खोमेनी को श्रद्धांजलि दी जा रही थी। खामेनेई ने कहा, स्वतंत्रता का अर्थ यह है कि हम अमेरिका और उसके समर्थकों की अनुमति का इंतजार न करें। कुछ लोग तर्कशीलता को अमेरिका के सामने झुकना मानते हैं, लेकिन यह तर्कशीलता नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि वाशिंगटन का ताजा प्रस्ताव ईरान के संवर्धन पूरी तरह रोकने या 3.67 फीसदी के बेहद निचले स्तर तक सीमित करने के बदले प्रतिबंध हटाने की बात करता है, जो हमारे 1979 की क्रांति के आदर्शों के 100 फीसदी विपरीत है। दरअसल, अमेरिकी प्रस्ताव के तहत मसीदा समझौता ईरान से 60 फीसदी तक संवर्धित यूरेनियम का स्टॉक विदेश भेजने और भविष्य में अधिकतम 3.67 फीसदी पर रोक लगाने की मांग करता है। बदले में, ईरान को तेल निर्यात, बैंकिंग और बीमा पर लगाए गये प्रमुख प्रतिबंधों से राहत देने का वादा किया गया है।

रूसी सुरक्षा परिषद के सचिव सर्गेई शोइगु उत्तर कोरिया पहुंचे

प्योंगयांग। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के निर्देश पर रूसी सुरक्षा परिषद के सचिव सर्गेई शोइगु उत्तर कोरिया की राजधानी प्योंगयांग पहुंचे हैं। उनका उत्तर कोरिया के सर्वोच्च नेता किम जोंग उन से मिलने का कार्यक्रम है। यह तीन महीने से भी कम समय में प्योंगयांग की दूसरी यात्रा है। रूस की सकारी समाचार एजेंसी की खबर के अनुसार दोनों नेताओं के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी पर रूस-डीपीआरके संधि के कुछ प्रावधानों के कार्यान्वयन और कुर्सक क्षेत्र को मुक्त करने में मदद करने वाले कोरियाई योद्धाओं की स्मृति को बनाए रखने के प्रयासों पर चर्चा करने की उम्मीद है। इसके अलावा दोनों पक्षों के यूक्रेन के आसपास की स्थिति सहित अंतरराष्ट्रीय एजेंडे के महत्वपूर्ण धुंधों पर चर्चा करने की उम्मीद है। शोइगु की उत्तर कोरिया की पिछली यात्रा 21 मार्च को हुई थी। उस समय किम जोंग उन ने उनका स्वागत किया था और उनकी बातचीत लगभग दो घंटे तक चली थी। शोइगु ने कहा कि उन्होंने उत्तर कोरियाई नेता को पुतिन का संदेश दिया।

अमेरिकी सेना ने इराक-सीरिया में अभियान के दौरान आईएसआईएस नेता को हिरासत में लिया

एजेंसी वाशिंगटन। अमेरिकी सेना ने इराक और सीरिया में डिफोट आईएसआईएस (डी-आईएसआईएस) अभियानों के दौरान एक आईएसआईएस नेता को हिरासत में लेने और आतंकी समूह के दो गुप्तों की मौत की घोषणा की। अमेरिकी सीईएनटीसीओएम ने गुरुवार को 'एक्स' पर एक आधिकारिक बयान में कहा, 'अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सीईएनटीसीओएम) बलों ने छह डी-आईएसआईएस अभियानों का समर्थन किया, जिनमें से पांच इराक और एक सीरिया में था। इसके परिणामस्वरूप दो आईएसआईएस गुप्तों की मौत हुई,

जबकि दो को हिरासत में लिया गया। इसमें एक आईएसआईएस नेता भी शामिल था। इनसे कई हथियार बरामद किए गए हैं। इन अभियानों के जरिए आईएसआईएस की पुनर्गठित करने, योजना बनाने, संगठित करने और क्षेत्र में नागरिकों और अमेरिकी और साझेदार बलों के खिलाफ हमले करने की क्षमता को रोकने काम करने का काम किया।' बयान के अनुसार, सीईएनटीसीओएम बलों ने चल रहे डी-आईएसआईएस अभियान के समर्थन में 21-27 मई तक इराक और सीरिया में अभियान में सैन्य बलों का समर्थन किया। यूएस सीईएनटीसीओएम द्वारा सक्षम सीरियन डेमोक्रेटिक फोर्स ने 21-

भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने बेलजियम में आतंकवाद के खिलाफ अपना संकल्प दोहराया

एजेंसी बुसेल्स। भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद के नेतृत्व में भारत के सभी दलों के सांसदों के प्रतिनिधिमंडल ने बेलजियम में यूरोपीय संसद के सदस्यों (एमईपी) से कई अहम बैठकों की। इन बैठकों में भारत ने सीमा पर आतंकवाद के खिलाफ अपने मजबूत और सख्त रुख को दोहराया। प्रतिनिधिमंडल ने यूरोपीय संसद का दौरा किया और वहां भारत से जुड़े मामलों के प्रतिनिधिमंडल, विदेश मामलों की समिति और सुरक्षा व रक्षा समिति के सदस्यों से मुलाकात की। बैठकों के दौरान भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने भारत के खिलाफ हो रहे सीमापार आतंकवाद पर विस्तार से जानकारी दी। खास तौर पर उन्होंने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले और 'ऑपरेशन सिंदूर' के जरिए भारत की संतुलित और रणनीतिक



राजनयिक बातचीत और सांसदों के बीच विचार-विमर्श जैसे अहम मुद्दों पर भी चर्चा हुई। भारतीय दूतावास में हुए अनुसार, आतंकवाद के खिलाफ भारत का सख्त संदेश दुनिया तक पहुंचाने के लिए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने यूरोपीय संसद के

सदस्यों (एमईपी) से मुलाकात की। इस दौरान सीमा पर आतंकवाद सहित आतंकवाद से निपटने, वैश्विक शांति और भारत-यूरोपीय संघ के रिश्तों को मजबूत करने पर चर्चा हुई। यूरोपीय संघ ने पहलगाम में हुए दर्दनाक आतंकी हमले की कड़ी निंदा की और भारत के साथ एकजुटता जताई। दूतावास ने कहा, यूरोपीय संघ को पहलगाम में हुए भयावह आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारत की सोच-समझदारी की गई जवाबी कार्रवाई के बारे में बताया गया। इससे भारत की आतंकवाद के प्रति सख्त नीति और 'जीरो टॉलरेंस' का साफ संदेश मिला। यूरोपीय संसद के सदस्यों ने भी हमले के पीड़ितों के प्रति अपनी संवेदना और एकजुटता जताई। भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने बुसेल्स के कुछ प्रमुख थिंक टैंकों और रणनीतिक विशेषज्ञों से भी

मुलाकात की। इस दौरान वैश्विक आतंकवाद की स्थिति और ऐसे खतरों से निपटने में भारत की यूरोपीय संघ से उम्मीदों पर चर्चा हुई। इन चर्चाओं से यह साझा सोच और मजबूत हुई कि आतंकवाद से निपटने के लिए दुनिया को मिलकर एकजुट और समन्वित जवाब देना जरूरी है। रविशंकर प्रसाद ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में कहा, ब्रसेल्स यात्रा के दौरान, सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के साथ मिलकर मैंने आतंकवाद, खासकर भारत को निशाना बनाने वाले सीमा पार आतंकवाद पर विस्तार से चर्चा की। हमने वहां के प्रमुख थिंक टैंकों के साथ भारत की आतंकवाद विरोधी पहल, खासतौर पर ऑपरेशन सिंदूर, पर भी विचार-विमर्श किया। इन बातचीतों से यह स्पष्ट संदेश गया कि भारत आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाता है।

राजशाही समर्थकों का काठमांडू केन्द्रित प्रदर्शन समाप्त, जिला केन्द्रित प्रदर्शन की बनी रणनीति

एजेंसी काठमांडू। देश में राजशाही की वापसी को लेकर चलाए जा रहे काठमांडू केन्द्रित प्रदर्शन आज से समाप्त होने की घोषणा करते हुए आगे से जिला और शहर केन्द्रित प्रदर्शन करने की योजना बनाई गई है। राजशाही की वापसी को लेकर संयुक्त रूप से आंदोलन कर रहे सभी राजनीतिक दल और संस्थाओं की हुई बैठक के बाद काठमांडू केन्द्रित प्रदर्शन को स्थगित करने का निर्णय किया गया। इस आंदोलन का नेतृत्व कर रहे राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के अध्यक्ष राजेन्द्र लिंगदेन की अनुपस्थिति में हुई इस बैठक में पहले चरण के आंदोलन के समाप्ति की घोषणा की गई। संयुक्त रूप आंदोलन संघर्ष समिति की तरफ से इसके संयोजक की नवराज सुवेदी ने बुधवार की देर रात को बयान जारी करते हुए आने वाले दिन में जिला और शहर केन्द्रित



के अवकाश प्राप्त अधिकारियों और जवानों को अधिक से अधिक सहभागी होने की अपील की है। बताया जा रहा है कि राजशाही की मांग को लेकर संयुक्त रूप से आंदोलन में उतरे राजनीतिक दल और संस्थाओं के बीच में मनमुटाव

के कारण काठमांडू केन्द्रित प्रदर्शन को स्थगित करते हुए इसे प्रथम चरण का आंदोलन समाप्त होने की

एजेंसी काठमांडू। हत्या के आरोपित माओवादी पार्टी के उपाध्यक्ष अनिम सापकोटा को नेपाल सरकार के द्वारा माफी दिए जाने के निर्णय को सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर दिया है। कोर्ट ने उनके खिलाफ मुकदमा चलाने का आदेश भी दिया है। कोर्ट ने इस मामले पर सुनवाई करते हुए गंभीर प्रकार के आपराधिक मामले में सरकार द्वारा दिए जाने का निर्णय सही नहीं होने की बात कहते हुए उनके खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति प्रदान की है। अदालत के इस आदेश के बाद माओवादी उपाध्यक्ष अनिम सापकोटा के खिलाफ हत्या का मुकदमा चलाने का रास्ता साफ हो गया है। माओवादी के द्वारा दस वर्षों तक चलाए गए सशस्त्र युद्ध के समय अनिम सापकोटा पर काभ्रे जिला के अर्जुन लामा को शारीरिक प्रताड़ना देते हुए उसकी

अपहृत नागरिकों की रिहाई में ईरानी सरकार का प्रयास ‘सच्ची मित्रता की भावना’ – भारतीय दूतावास

एजेंसी तेहरान। भारत ने तीन अपहृत भारतीय नागरिकों की रिहाई सुनिश्चित करने में ईरानी सरकार के प्रयासों के लिए उनका धन्यवाद किया और इस बात पर जोर दिया कि यह सहायता दोनों देशों के बीच मौजूद 'मित्रता की सच्ची भावना' को दर्शाती है। ईरान में भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में लिखा, «तीनों अपहृत भारतीय नागरिकों को सुरक्षित बना लिया गया है और अब वे भारतीय दूतावास की देखरेख में हैं, जो उनकी स्वदेश वापसी की व्यवस्था कर रही है। हम उनकी रिहाई सुनिश्चित करने के लिए त्वरित और प्रभावी प्रयासों के लिए ईरान सरकार को ईमानदारी से धन्यवाद देते हैं।पोस्ट में कहा गया है, आपका

समर्थन दोनों देशों के बीच मित्रता की सच्ची भावना को दर्शाता है।भारत स्थित ईरानी दूतावास ने मंगलवार देर रात ईरान की अर्ध-सकारी मेहर समाचार एजेंसी को एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए इस बात की पुष्टि की कि तेहरान पुलिस ने लापता व्यक्तियों को मुक्त करा लिया है। ईरानी दूतावास ने कहा कि तेहरान पुलिस ने तीन लापता भारतीय नागरिकों को मुक्त करा लिया है। ईरान में स्थानीय मीडिया का कहना है कि पुलिस ने ईरान में लापता तीन भारतीयों को ढूंढकर रिहा करा लिया है। ईरानी मीडिया के अनुसार, दक्षिणी तेहरान के वरामिन में बंधक बनाने वालों के विरुद्ध पुलिस अभियान के बाद तीनों को बचा लिया गया। रिपोर्टों के अनुसार, पंजाब के रहने वाले तीनों भारतीय नागरिकों की

पहचान जसपाल सिंह, हुशानप्रीत सिंह और अमृतपाल सिंह के रूप में हुई है। वे 1 मई को तेहरान पहुंचने के बाद बाद लापता हो गए थे। कथित तौर पर वे एक स्थानीय ट्रैवल कंपनी द्वारा आकर्षक नीकरी के झांसे में आकर ऑस्ट्रेलिया जा रहे थे। तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने लापता व्यक्तियों के परिवार के सदस्यों द्वारा अपने रिश्तेदारों के अचानक लापता होने पर गंभीर चिंता व्यक्त करने के बाद 28 मई को एक बयान जारी किया था। बयान में कहा गया कि तीन भारतीय नागरिकों के परिवार के सदस्यों ने भारतीय दूतावास को सूचित किया है कि उनके रिश्तेदार ईरान की यात्रा के बाद लापता हो गए हैं। दूतावास ने इस मामले को ईरानी अधिकारियों के समक्ष जोरदार तरीके से उठाया है और अनुरोध किया है कि

लापता भारतीयों का तत्काल पता लगाया जाए और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। हम दूतावास द्वारा किए जा रहे प्रयासों के बारे में परिवार के सदस्यों के नियमित रूप से जानकारी दे रहे हैं। रिपोर्टों से पता चला कि अज्ञात व्यक्तियों ने परिवारों से एक करोड़ रुपए की फिरीती की मांग की थी। ये धमकी भरे कॉल पाकिस्तानी फोन नंबरों से आए थे। इस विवरण ने गंभीर चिंता पैदा कर दी, जिसके परिणामस्वरूप दोनों पक्षों की ओर से त्वरित कूटनीतिक बातचीत शुरू हुई। भारत स्थित ईरानी दूतावास ने घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ईरान के विदेश मंत्रालय का कांसुलर मामलों का विभाग इस मामले पर बारीकी से नजर रख रहा है।

संयुक्त राष्ट्र ने मेजर जनरल डिओदातो अबागनारा को ‘युनिफिल’ का नया प्रमुख नियुक्त किया

एजेंसी न्यूयॉर्क/बेरुत। संयुक्त राष्ट्र ने लेबनान में तैनात संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल (युनिफिल) के नए प्रमुख रूप में मेजर जनरल डिओदातो अबागनारा की नियुक्ति की घोषणा की है। वे लैफ़्टिनेंट जनरल आरोल्लो लाजारी साएन्ज का स्थान लेंगे। युनिफिल की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि अबागनारा अब इस महत्वपूर्ण शांति मिशन का नेतृत्व करेंगे, जो दक्षिण लेबनान में इजराइल और हिज्बुल्लाह के बीच संघर्ष विराम की गिनतारी करता है। हालांकि 2006 के युद्ध के बाद आधिकारिक तौर पर संघर्ष विराम लागू है, लेकिन इजराइल और हिज्बुल्लाह के बीच सीमा पर हमले अब भी जारी हैं। रिपोर्ट के अनुसार, इजराइल ने हाल



का गड़ माने जाते हैं। संयुक्त राष्ट्र का यह मिशन क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखने के लिए 1978 से कार्यरत है और फिलहाल इसमें लगभग 10,000 से अधिक अंतरराष्ट्रीय सैनिक तैनात हैं। नए प्रमुख अबागनारा को एक जटिल और संवेदनशील सुरक्षा माहौल में शांति स्थापना और मध्यस्थता की जिम्मेदारी सौंपालनी होगी।

माओवादी उपाध्यक्ष को आम माफी दिए जाने के नेपाल सरकार के निर्णय को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज किया

हत्या का आदेश देने का आरोप है। करीब 20 वर्ष पहले हुए इस हत्याकांड के बाद मुक्त अर्जुन

माओवादी की सरकार डा बाबूराम भट्टराई के नेतृत्व में बनने के बाद सापकोटा के हत्या के मुकदमे को



लामा के माता-पिता ने माओवादी नेता अनिम सापकोटा को नामजद अभियुक्त बताते हुए उनके खिलाफ जिला अदालत में मुकदमा दायर किया था। देश में दूसरी बार

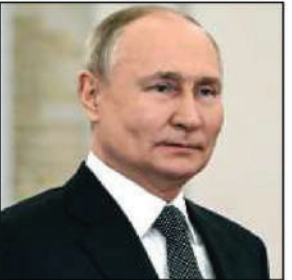
आगे नहीं बढ़ाने का निर्णय किया गया था। सरकार के इस निर्णय के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में मुकदमा दायर किया गया था जिस पर अदालत ने अपना फैसला सुनाया है।

गाजा युद्ध पर विरोध के बीच आयरलैंड की प्रमुख यूनिवर्सिटी ने इजराइल से तोड़े संबंध

एजेंसी डबलिन। आयरलैंड की प्रतिष्ठित ट्रिनिटी कॉलेज डबलिन ने घोषणा की कि वह इजराइल के साथ अपने सभी शैक्षणिक और कारोबारी संबंध समाप्त कर रहा है। यह निर्णय गाजा में इजराइली सैन्य कार्रवाइयों और अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानूनों के कथित उल्लंघनों के विरोधस्वरूप लिया गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने यह कदम कैंपस में हुए लगातार छत्र आंदोलनों और विरोध प्रदर्शनों के बाद उठाया, जिनमें इजराइल के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई थी। स्थानीय मीडिया के अनुसार, विश्वविद्यालय के बोर्ड ने छात्रों को एक ईमेल भेजकर सूचित किया कि अब ट्रिनिटी कॉलेज किसी भी इजराइली कंपनी के साथ व्यापार नहीं करेगा। इजराइल आधारित सभी कंपनियों से पूंजी निवेश वापस लेना और इजराइली विश्वविद्यालयों के साथ छत्र एवं फैकल्टी आदान-प्रदान कार्यक्रमों में कोई नया समझौता नहीं करेगा। बयान में कहा गया है कि यह निर्णय इजराइल द्वारा अंतरराष्ट्रीय और मानवीय कानूनों के निरंतर उल्लंघन के मद्देनजर लिया गया है। इस फैसले को छात्रों और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने बड़ी जीत बताया है। वहीं, इजराइल समर्थक समूहों ने इस निर्णय को आलोचना करते हुए कहा है कि इससे शैक्षणिक स्वतंत्रता और संवाद को नुकसान पहुंचेगा। गौरतलब है कि ट्रिनिटी कॉलेज डबलिन आयरलैंड का सबसे पुराना और प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय है और इसके इस फैसले को यूरोप में बढ़ते इजराइल विरोधी शैक्षणिक रुख का संकेत माना जा रहा है।

पुतिन ने जेलेँस्की के प्रत्यक्ष वार्ता प्रस्ताव को ठुकराया, युद्धविराम वार्ता फिर गतिरोध में

एजेंसी माँस्को/कीव। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेनी राष्ट्रपति व्लाडिमिर जेलेँस्की के प्रत्यक्ष शिखर वार्ता के प्रस्ताव को सिरे से खारिज कर दिया। पुतिन ने कहा कि मौजूदा हालात में इस तरह की कोई बैठक असंभव है और बात करने के लिए कुछ नहीं है। यह बयान उस समय आया जब जेलेँस्की ने एक बार फिर दोहराया कि केवल शीर्ष स्तर की सीधी बातचीत से ही लगभग साढ़े तीन साल से चल रहे युद्ध को समाप्त किया जा सकता है। उन्होंने रूस के हालिया युद्धविराम प्रस्ताव को अस्वीकार्य करार दिया। पुतिन ने सरकार के अधिकारियों के साथ एक वीडियो बैठक में कहा, इन हालात में ऐसी बैठकें कैसे हो सकती हैं? हम



गतिविधियों को अंजाम दिया है। कीव ने इन आरोपों से इनकार किया है। पुतिन ने यह भी आरोप लगाया कि यूक्रेन युद्धविराम का उपयोग केवल

पश्चिमी हथियारों की आपूर्ति को बढ़ाने, और अधिक सैनिकों को भर्ती करने और नए हत्यों की तैयारी के लिए करना चाहता है। इससे कुछ घंटे पहले जेलेँस्की ने कहा था कि रूस की अधिकतमवादी मांगें यह दर्शाती हैं कि निचले स्तर की वार्ताओं से कोई ठोस समाधान नहीं निकल सकता। उल्लेखनीय है कि दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडलों ने सोमवार को इस्तांबुल में शांति वार्ता के तहत एक-दूसरे को युद्धविराम की शर्तों से जुड़े जापान सीपे थे, लेकिन किसी ठोस प्रगति के संकेत नहीं मिले। यह बैठक दो हफ्तों में दूसरी बार हुई, परंतु पुतिन इस वार्ता में शामिल नहीं हुए, जबकि जेलेँस्की पहले ही उन्हें तुर्की में प्रत्यक्ष मुलाकात की चुनौती दे चुके थे।

आजीवन कारावास के आरोपित को बरी करने पर हाई कोर्ट के दो जजों और कानून मंत्री के खिलाफ जांच की मांग

एजेंसी काठमांडू। नेपाल में 23 लोगों को जिंदा जलाकर हत्या करने के आरोप में आजीवन कारावास की सजा काट रहे पूर्व मंत्री सहित पांच लोगों को रिहा करने वाले हाई कोर्ट के दो जजों और कानून मंत्री को खिलाफ जांच की मांग की गई है। इस पर सुनवाई के लिए न्याय परिषद की आकास्मिक बैठक भी बुलाई गई है। नेपाली कांग्रेस के बाहुबली नेता पूर्व मंत्री और तीन बार के सांसद अफाफताब आलम सहित उनके परिवार के पांच सदस्यों को सबूतों के अभाव में हाई कोर्ट के दो जजों की बेंच ने रिहा करने का आदेश दिया था। इसी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने इस घटना का सत्राज लेते हुए पुख्ता प्रमाण होने के कारण इन सभी आरोपितों को तत्काल गिरफ्तार करके इन पर मुकदमा चलाने का आदेश दिया था। हाई कोर्ट की तरफ से राजनीतिक दबाव में यह फैसला किए जाने की बात कहते हुए नेपाल बार एसोशिएशन ने न्याय परिषद में लिखित निवेदन किया है। साथ ही हाई कोर्ट के दोनों जजों और देश के कानून मंत्री अजय चौंसिया के खिलाफ जांच की मांग की है। परिषद ने आज आकास्मिक बैठक बुलाई है। इस शिकायत में इस तरह का आदेश देने वाले हाई कोर्ट के दोनों जजों और कानून मंत्री के फैसले के दो दिन पहले से लेकर दो दिन बाद तक के कॉल डिले रिकॉर्ड मंगाने की बात भी कही गई है।

अमेरिकी कांग्रेस की बैठक में भारत को ‘पूर्ण समर्थन और एकजुटता’ मिली : शशि थरूर

एजेंसी वाशिंगटन। भारतीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल ने अमेरिकी सांसदों से मुलाकात की और कहा कि आतंकवाद से लड़ने में भारत को उनसे पूर्ण समर्थन और एकजुटता मिली है। यह बात कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कही, जो प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। उन्होंने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, हमारे पास एक भी संदेहपूर्ण या नकारात्मक आवाज नहीं थी। इसके विपरीत, हमें जो मिला वह बहुत ही सकारात्मक प्रतिक्रिया

थी। उन्होंने कहा कि भारत और आतंकवाद के खिलाफ उसकी लड़ाई के प्रति पूर्ण समर्थन और एकजुटता थी और आतंकवाद के खिलाफ भारत के आम्रपक्षा के अधिकार के प्रति पूर्ण समझ व्यक्त की गई। आतंकवाद के प्रति शून्य सहनशीलता का संदेश देने तथा ऑपरेशन सिंदूर के औचित्य को समझाने के अपने मिशन पर, टीम थरूर ने कांग्रेस के इंडिया कॉन्फ्रेंस, सदन की विदेश मामलों की समिति के सदस्यों, जिनमें दक्षिण एशिया और पूर्वी एशिया उपसमितियों के दो

अध्यक्ष शामिल थे, तथा छह सीनेटर्स के एक समूह से मुलाकात की, जिनमें से पांच विदेश संबंध समिति के तथा एक खुफिया समिति के सदस्य थे।थरूर की बात को



प्रतिनिधिमंडल से मिलने वाले कांग्रेस सदस्यों ने भी दोहराया। इंडिया कांफ्रेंस के सह-अध्यक्ष, डेमोक्रेट प्रतिनिधि रो खन्ना ने एक्स पर पोस्ट किया, 22 अप्रैल के हमलों के लिए

जिम्मेदार आतंकवादी समूहों को खत्म करने के महत्व पर अमेरिका-भारत ने चर्चा की, पहलगाम में 26 निर्दोष लोग मारे गए थे।पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा से संबद्ध रेंजिस्टर्ड फ्रंट ने हमले के लिए अफगानी ली।भारतीय प्रतिनिधिमंडल की तरह, दोनों अमेरिका के कांग्रेस सदस्यों ने भी दलीय सीमाओं से ऊपर उठकर भारत के प्रति समर्थन प्रदर्शित किया। रिपब्लिकन सीनेटर डेव मैककार्मिक ने एक्स पर कहा कि सीनेट की विदेश संबंध समिति के सदस्यों के साथ बैठक में, हमने अमेरिका और

भारत के बीच साझा मूल्यों, स्वायत्तता से लड़ने और सत्तावादी राज्यों के खिलाफ प्रतिरोध पर चर्चा की, साथ ही आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वतंत्र और लोकतांत्रिक भविष्य के निर्माण के लिए अपने आर्थिक संबंधों का विस्तार किया। मैककार्मिक दक्षिण एशिया, मध्य एशिया और आतंकवाद प्रतिरोध पर सीनेट की विदेश संबंध उपसमिति के प्रमुख हैं। प्रतिनिधि ग्रेगरी मीक्स, जो सदन की विदेश मामलों की समिति के शीर्ष डेमोक्रेट हैं, उन्होंने थरूर को विदेश मामलों पर भारत की संसदीय

प्रियामणि अख्यार

कमी शाहरुख खान की फिल्म में डांसर थीं द फैमिली मैन की ये एक्ट्रेस, फिर 1146 करोड़ कमाने वाली सबसे बड़ी फिल्म में किया काम

फिल्म इंडस्ट्री में आना किसी के लिए भी इतना आसान नहीं है. ये एक ऐसी इंडस्ट्री है जहां मेहनत के साथ ही लक की भी जरूरत होती है. लेकिन जो डेस्टिनी में लिखा होता है वो तो होता ही है. अब द फैमिली मैन की एक्ट्रेस प्रियामणि को ही ले लीजिए. एक समय ऐसा था जब उन्होंने शाहरुख खान की एक सुपरहिट फिल्म के सिर्फ एक गाने में डांस किया था. और यही उनकी पहचान भी थी. लेकिन आज वे शाहरुख खान के करियर की सबसे बड़ी फिल्म की हीरोइन के रूप में जानी जा रही हैं. आइए प्रियामणि के 41वें जन्मदिन के मौके पर उनकी स्कैसेस और स्ट्रगल्स पर एक नजर डालते हैं.

चेन्नई एक्सप्रेस में किया था डांस

प्रियामणि ने कैसे तो अपने करियर की शुरुआत साउथ फिल्मों से कर दी थी. लेकिन एक्ट्रेस की पहली बॉलीवुड फिल्म रावन थी. साल 2010 में रावन फिल्म में अभिनय करती नजर आई थीं जहां ज्यादा उन्हें किसी ने नोटिस नहीं किया. वहीं इसके 2 साल बाद ही वे शाहरुख खान की फिल्म चेन्नई एक्सप्रेस में एक डांसर के रोल में नजर आई थीं. ये फिल्म 2012 में रिलीज हुई थी. इस फिल्म के बाद भी प्रियामणि कई प्रोजेक्ट्स का हिस्सा रहीं लेकिन अभी तो उनका घर-घर में पॉपुलर होना बाकी था.

द फैमिली मैन से मिली लोकप्रियता

अगर सही मायने में देखा जाए तो प्रियामणि को असली सफलता ओटीटी प्लेटफॉर्म से ही मिली. मनोज बाजपेयी संग आई उनकी सीरीज द फैमिली मैन को काफी पसंद किया गया और वे हर फैमिली में पॉपुलर हो गई. आज प्रियामणि की अगर

इतनी ज्यादा पहचान है तो इसके पीछे की वजह ओटीटी प्लेटफॉर्म ही है. द फैमिली मैन की बात करें तो साल 2019 में इसका पहला सीजन आया था. अब तक इसके 2 सक्सेसफुल सीजन आ चुके हैं और अब साल 2025 में इस सीरीज का तीसरा सीजन भी आ रहा है.

ओटीटी के जरिए मिली फिल्मों में सफलता

प्रियामणि ने अपने करियर में छोटे-मोटे रोल्स भी किए हैं. लेकिन फैमिली मैन की पॉपुलैरिटी का उन्हें फल भी मिला. जिस शाहरुख खान के साथ कभी प्रियामणि ने सिर्फ एक डांस किया था उसी शाहरुख के साथ वे उनकी सबसे बड़ी फिल्म में स्क्रीन शेयर करती नजर आईं. फिल्म ने भी 1146 करोड़ रुपए का बिजनेस किया. तो ये अपने आप में ही प्रियामणि का स्ट्रगल और सक्सेस स्टोरी दोनों दिखाता है. फिलहाल एक्ट्रेस मनोज बाजपेयी के अपोजिट ही द फैमिली मैन के तीसरे सीजन में नजर आएंगी. ऐसी उम्मीद है कि ये सीरीज नवंबर 2025 तक स्ट्रीम होने लग जाएगी.



टीवी के राम-सीता के घर में 'डाका'!...

गुरमीत चौधरी

के घर हुई चोरी, एक्टर बोले- 'शुक्र है बच्चे सुरक्षित थे!'

टेलीविजन के मशहूर कपल गुरमीत चौधरी और देबिना बनर्जी के घर में चोरी हो गई है. खुद गुरमीत ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम पर इस घटना की जानकारी देते हुए बताया कि उनके घर का एक नया नौकर उनका कुछ सामान लेकर फरार हो गया. हालांकि, अच्छी बात ये रही कि चोरी का ज्यादातर सामान बाद में बरामद कर लिया गया. अपनी इस पोस्ट में गुरमीत ने अपने फैंस से घर में काम करने वाले लोगों का बैकग्राउंड चेक करने की अहम सलाह भी दी है.

एक्टर गुरमीत चौधरी ने अपने इंस्टाग्राम पर चोरी की घटना का खुलासा करते हुए लिखा, आज, हमारे घर का वर्कर कुछ सामान लेकर भाग गया. शुक्र है, हम हमेशा काम पर आने वाले हर

स्टाफ का वेरिफिकेशन करवाते हैं, ताकि अगर कुछ गलत हो तो हम उसके खिलाफ तुरंत कार्रवाई कर सकें. गुरमीत ने आगे लिखा कि मैं शुक्रगुजार हूँ कि उस समय मैं घर पर था और मेरे बच्चे अपने कमरे में सुरक्षित थे. तुरंत कार्रवाई और कुछ फोन कॉल्स की मदद से, हमने ज्यादातर

सामान बरामद कर लिया है और सबसे महत्वपूर्ण बात, हम सभी सुरक्षित हैं.

फैंस को दी सलाह

गुरमीत ने इसे घटना को थोड़ी सी 'खराब किस्मत' के साथ-साथ 'बड़ी सीख' भी कहा है. उन्होंने अपने फैंस को ये सलाह भी दी है कि वे हमेशा सतर्क रहें. काम के लिए घर में आने वाले हर व्यक्ति का हमेशा वेरिफिकेशन करें.

चोरी से पहले शेयर की थीं बेटियों की तस्वीरें

दिलचस्प बात ये है कि गुरमीत ने चोरी की घोषणा करने से कुछ घंटे पहले ही, देबिना के साथ अपनी बेटियों लियाना और दिविशा की बेहद प्यारी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की थीं. उस पोस्ट के कैप्शन में लिखा था, छोटे हाथ, बड़े दिल. हमारी पूरी जिंदगी.

टीवी पर वापसी की तैयारी में हैं कपल

गुरमीत और देबिना के प्रोफेशनल लाइफ की बात करें तो जल्द ही टीवी का ये पॉपुलर कपल लंबे समय के बाद छोटे पर्दे पर वापसी कर रहा है.

दोनों जल्द ही कलर्स टीवी के नए रियलिटी शो 'पति पत्नी और पंगा' में नजर आएंगे. 'नच बलिए' के बाद उन्हें एक साथ फिर से स्क्रीन पर देखना गुरबीना फैंस के लिए वाकई एक बड़ा तोहफा होगा.



मैं सुन पाता हूँ क्योंकि मुझे... आलिया के मासूम से सवाल पर पीएम मोदी ने दिया था ये जवाब



साल 2012 में आई फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' से अपने करियर की शुरुआत करने वाली आलिया भट्ट अपने 12 से 13 साल के करियर में ही बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेस बन चुकी हैं. उनकी अदाकारी ने हर किसी का ध्यान खींचा है. भारत के साथ ही आलिया विदेशों में भी पॉपुलर हो चुकी हैं. उनका ये सफर जारी है, जो उन्हें आज के दौर की सबसे कामयाब अदाकाराओं में से एक के रूप में पहचान दिला चुका है.

आलिया भट्ट एक ऐसी एक्ट्रेस हैं, जिनके फैंस काफी तादाद में हैं और वो अक्सर ही अपनी चहेती एक्ट्रेस के बारे में कुछ नया और कुछ खास जानने की जुगत में लगे रहते हैं. ऐसे में आज हम आपको उनकी पीएम मोदी संग हुई एक छोटी सी बातचीत के बारे में बता रहे हैं. कुछ वक्त पहले आलिया को पीएम मोदी से मुलाकात करने का मौका मिला था और उन्होंने इस दौरान बातचीत में प्राइम मिनिस्टर से एक मजेदार सवाल कर लिया था.

जब PM मोदी से मिलीं आलिया

साल 2024 के आखिरी में दिग्गज एक्टर और डायरेक्टर राज कपूर की 100वीं बर्थ एनिवर्सरी के खास मौके पर कपूर खानदान ने एक इवेंट रखा था. इस मौके पर कपूर फैमिली ने दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मुलाकात की थी. कपूर परिवार के कई सदस्यों के अलावा सैफ अली खान भी वहां मौजूद थे. पीएम मोदी ने इस दौरान सभी से राज कपूर की फिल्मों और उनके निर्देशन को लेकर बातचीत की थी. जबकि भारतीय गानों और सिनेमा के बारे में भी चर्चा की. इस दौरान कपूर फैमिली के सदस्यों ने बारी-बारी से पीएम से बात भी की थी. तब आलिया भट्ट ने प्राइम मिनिस्टर से मजेदार सवाल पूछा था. आलिया ने पीएम के बिजी शेड्यूल को ध्यान में रखते हुए उनसे पूछा था, एक सवाल था आपके लिए. क्या आप गाने सुन पाते हैं? इस पर पीएम मोदी ने कहा था, मैं सुन पाता हूँ क्योंकि मुझे अच्छा लगता है. कभी मौका मिल जाए तो मैं जरूर सुन लेता हूँ.

आलिया भट्ट का वर्क फंड

आलिया अपने करियर में स्टूडेंट ऑफ द ईयर के अलावा 'ब्रह्मास्त्र', 'आर.आर.आर.', 'हाईवे', 'गंगूबाई काठियावाड़ी', 'गली बॉय', 'राजी', 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी', 'बद्रीनाथ की दुल्हनिया' सहित कई शानदार फिल्मों में दे चुकी हैं. अब वो फिल्म 'अल्फा' में नजर आने वाली हैं.

आमिर खान को ऑफर हुई ये 8 फिल्में, जो बॉक्स ऑफिस को धुआं-धुआं कर देंगी! साथ आ रहे रणबीर कपूर!



आमिर खान बॉक्स ऑफिस हिलाने की जाबड़ तैयारी कर चुके हैं. अभी तो उनकी बस वापसी हो रही है. पर आगे आगे बहुत कुछ बढ़ा करने की प्लानिंग है. 'लाल सिंह चड्ढा' के फ्लॉप होने के बाद से ही वो ब्रेक पर थे. पर अब वापसी कर रहे हैं. उनकी 'सितारे जमीन पर' जल्द रिलीज होने वाली है. जिसके लिए तेजी से प्रमोशंस चल रहे हैं. इसी बीच उन्होंने अगली फिल्म के लिए डील डन कर ली. लेकिन उससे पहले उन्हें ये 8 फिल्में ऑफर हुई थी. कुछ वक्त पहले पता लगा था कि आमिर खान जल्द ही दादा साहब फाल्के बायोपिक की तैयारी शुरू कर देंगे. जिसे राजकुमार हिरानी बना रहे हैं. इसके अलावा उन्हें अपने ड्रीम प्रोजेक्ट महाभारत पर भी काम शुरू करना है. जिसकी जानकारी सुपरस्टार ने खुद एक इंटरव्यू में दी थी. हालांकि, अगली फिल्म शुरू करने से पहले जो 8 फिल्में उन्हें ऑफर हुईं, वो कौन सी थीं, जानिए.

आमिर खान को ऑफर हुईं ये 10 फिल्में

हाल ही में पिकविला पर एक रिपोर्ट छपी. जिससे पता लगा भारतीय सिनेमा के पितामह दादा साहब फाल्के पर फिल्म बनाने का आमिर खान का सपना था. जो राजकुमार हिरानी के साथ मिलकर देखा गया था. जिस वक्त हिरानी इसकी स्क्रिप्ट पर काम कर रहे थे. उस वक्त आमिर क्रिएटिव तौर पर कई फिल्मों की स्क्रिप्ट पढ़ रहे थे.

1. चार दिन की जिंदगी: यह राजकुमार संतोषी की फिल्म है, जिसमें उनके साथ आमिर खान दिखाई दे सकते हैं.
2. अंदाज अपना अपना 2: हाल ही में फिल्म को री-रिलीज किया गया था. लेकिन एक्टर इस फिल्म के सीक्रेल को कंफर्म कर चुके हैं. जल्द राजकुमार संतोषी के साथ इस पर काम करेंगे.
3. उज्ज्वल निकम की बायोपिक: जिसमें दिनेश विजय के साथ मिलकर काम करना था.
4. किशोर कुमार: यह फिल्म, जिसे अनुराग बसु डायरेक्ट करने वाले थे. कुछ वक्त पहले एक्टर को एयरपोर्ट पर देखा गया था, जहां उनके हाथ में किशोर कुमार की बायोग्राफी थी.
5. राकेश ओमप्रकाश मेहरा के साथ भी एक फिल्म शामिल है. दरअसल दोनों 'रंग दे बसंती' में साथ काम कर चुके हैं.
6. गुलशन कुमार की बायोपिक: रिपोर्ट्स के मुताबिक, आमिर ने डायरेक्टर तुषार हीरानंदानी और भूषण कुमार के साथ भी इस बायोपिक पर चर्चा की है. हालांकि, वो इस फिल्म को करना चाहते हैं, जिसमें संभावनाएं हों. इसके लिए कई मीटिंग्स भी हुई हैं.
7. दादा साहब फाल्के: दरअसल राजकुमार हिरानी के साथ तो दादा साहब फाल्के की बायोपिक पर डील पक्की कर ली गई है. हालांकि, इस फिल्म के अलावा भविष्य में वो बाकी फिल्मों पर भी काम करेंगे.

लोन सस्ते होंगे,
आरबीआई ने ब्याज दर
0.50% घटाई

मुंबई
आरबीआई की मॉनिटरी पॉलिसी कमेट्री में 6 सदस्य होते हैं। इनमें से 3 आरबीआई के होते हैं, जबकि बाकी केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त किए जाते हैं। यह मीटिंग हर दो महीने में होती है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया बैंकों को दिए जाने वाले कर्ज की दर यानी रेपो रेट में 0.50% की कटौती की है। अब रेपो रेट 5.50% रह गया है। इससे बैंकों को आरबीआई से कम ब्याज पर कर्ज मिलेगा। ब्याज में इस कटौती को बैंक अपने ग्राहकों को ट्रांसफर करते हैं, तो आने वाले दिनों में लोन सस्ते हो सकते हैं। लोन सस्ते होने पर लोगों की मौजूदा एटक भी घट जाएगी। ब्याज दरों में कटौती का फैसला मॉनिटरी पॉलिसी कमेट्री की 4 से 6 जून तक चली मीटिंग में लिया गया। फ़्दकगवर्नर संजय मल्होत्रा ने आज 6 जून की सुबह इसकी जानकारी दी।

ब्याज में कटौती का असर उदाहरण से समझें
आरबीआई जिस रेट पर बैंकों को लोन देता है उसे रेपो रेट कहते हैं। महंगाई कंट्रोल करने के लिए इसे बढ़ाया-घटाया जाता है। ताजा कटौती के बाद 20 साल के लिए लिए गए 20 लाख के लोन पर करीब 1.48 लाख का फायदा मिलेगा। इसी तरह 30 लाख के लोन पर 2.22 लाख का फायदा होगा। नए और मौजूदा ग्राहकों दोनों को इसका फायदा मिलेगा। आरबीआई ने फरवरी में हुई मीटिंग में ब्याज दरों को 6.5% से घटाकर 6.25% कर दिया था। मॉनिटरी पॉलिसी कमेट्री की ओर से ये कटौती करीब 5 साल बाद की गई थी।

राउज एवेन्यू कोर्ट में 9
जून को न्यायिक कार्य
से विरत रहेंगे
अधिवक्ता

नई दिल्ली
दिल्ली हाई कोर्ट की ओर से दिल्ली की छह निचली अदालतों में पहले से संचालित चेक बाउंस के 34 डिजिटल कोर्ट को राउज एवेन्यू में शिफ्ट करने का दिल्ली के वकीलों ने विरोध किया है। ऑल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट्स बार एसोसिएशन ऑफ दिल्ली की कोऑर्डिनेशन कमेट्री ने इसके विरोध में 9 जून को दिल्ली की सभी जिला अदालतों में न्यायिक कार्यों के बहिष्कार का आह्वान किया है।

भाविप गायत्री शाखा बरवाला ने
निर्जला एकादशी पर लगायी मीठे
दूध की छबील



हरियाणा/हिसार (राजेश सलूजा)
प्रमुख समाजसेवी संस्था भारत विकास परिषद, गायत्री शाखा बरवाला द्वारा दौलतपुर मार्ग पर स्थित श्री बांके बिहारी मंदिर बरवाला में बाबा श्याम की मूर्ति स्थापना एवं निर्जला एकादशी पर मीठे दूध की छबील सेवा का आयोजन किया गया। यह सेवा आयोजन सामाजिक सद्भाव, श्रद्धा और सेवा भावना का अद्भुत उदाहरण रहा। भाविप शाखा अध्यक्ष पवन शर्मा ने कहा कि ऐसे पुण्य कार्य समाज में सकारात्मक ऊर्जा और सेवा की भावना को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने सभी सदस्यों और सेवाभावियों को इस आयोजन में सक्रिय सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। शाखा सचिव राजेन्द्र भट्ट ने कहा कि भाविप गायत्री शाखा का उद्देश्य सेवा, संस्कार और सहयोग के माध्यम से समाज में जागरूकता लाना है और यह छबील सेवा उसी दिशा में एक सार्थक प्रयास है। इस सेवा कार्यक्रम के माध्यम से भाविप गायत्री शाखा बरवाला ने समाज

को न केवल शीतल जल और मीठा दूध वितरित किया बल्कि सेवा संस्कारों को भी पूनसमर्पण कराया। भाविप गायत्री शाखा भविष्य में भी ऐसे सामाजिक व धार्मिक कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाती रहेगी। श्रीमद् भागवत सेवा महिला मंडल परिवार द्वारा भाविप गायत्री शाखा बरवाला के पदाधिकारियों को स्मृति चिह्न प्रदान करके सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रधान पवन शर्मा, सचिव राजेन्द्र भट्ट, कोषाध्यक्ष गुंजन गोयल, कविता वर्मा, प्रकल्प प्रमुख एवं पूर्व सचिव जिले सिंह, सुरेश गोयल के साथ प्रांतीय सेवा सचिव रामनिवास वर्मा, पूर्व अध्यक्ष शिव कुमार कौशिक, पूर्व कोषाध्यक्ष सुशील गोयल, विजय गोयल, दिनेश शर्मा, अनिल कौशिक, मा. सतीश वर्मा, साधुराम गर्ग, शिव कुमार सोनी, रोमेश गोयल, संजय गोयल, गौरी शंकर सिंगला, जिले सिंह जाखड़ व नवनीत सोनी सहित अनेक गणमान्य सदस्य व श्रद्धालुजन उपस्थित रहे।

लाइंस क्लब (वेज) दिल्ली व डीएस डोसा फैक्टरी ने मनाया विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस व विश्व पर्यावरण दिवस



दिव्य दिल्ली : दिल्ली के कर्नाट प्लेस में स्थित हूडीएस डोसा फैक्टरीह में लाइंस क्लब (वेज) दिल्लीह व हूडीएस डोसा फैक्टरीह ने ह्विश्व

खाद्य सुरक्षा दिवसह व ह्विश्व पर्यावरण दिवसह के कार्यक्रम का आयोजन किया इस अवसर पर श्रीलंका, इथियोपिया, सीरिया,



कोमोरोस व कई अन्य देशों के राजनायिक व राजदूत उपस्थित रहे। सभी मेहमानों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभ आरम्भ किया और

संजय भारद्वाज व गौरव गुप्ता ने सभी मेहमानों को शॉल ओढ़ा कर उनका स्वागत किया। सभी ने पर्यावरण बचाने व खाद्य सुरक्षा के उपायों पर जोर दिया



साथ ही दक्षिण भारतीय व्यंजनों का आनंद लिया मुख्य रूप से ६ फीट लंबा डोसा आकर्षण का केंद्र रहा। इस अवसर पर के एल गंजू, आशुतोष

गुप्ता, शुभम गुप्ता, शिवांग भारद्वाज, संजय अग्रवाल, कपिल खंडेलवाल, के एल मल्होत्रा व अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

बकरीद पर न हो बवाल: यूपी में सुरक्षा कड़ी, सड़क पर नहीं होगी नमाज

मेरठ
ईद-उल-अजहा पर्व पर रेंज के जिले मेरठ, बुलंदशहर, बागपत और हापुड में 487 ईदगाह और 981 मस्जिदों में नमाज अदा की जाएगी। सड़क पर नमाज पढ़ने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। डीआईजी कलानिधि नैथानी ने बताया कि मेरठ में 164 ईदगाह व 515 मस्जिद, बुलंदशहर में 171 ईदगाह व 213 मस्जिद, बागपत में 68 ईदगाह व 205 मस्जिद और हापुड में 84 ईदगाह व 48 मस्जिदों में नमाज होगी।

84 स्थल संवेदनशील चिह्नित
84 स्थल संवेदनशील श्रेणी में



चिह्नित किए गए हैं। जनपद मेरठ में 21, बुलंदशहर में 43, बागपत में पांचे और हापुड में 15 स्थान संवेदनशील श्रेणी के हैं। चारों जनपदों के 27 जोन और 100 सेक्टर में बांटा गया है। 49 क्यूआरटी (क्विक रिस्पॉन्स टीम)

लगाई गई है। शांतिपूर्वक नमाज के लिए चारों जिलों में आठ एएसपी, 25 सीओ, 95 इंस्पेक्टर, 820 दरोगा, 1250 हेड कांस्टेबल, 1635 कांस्टेबल, 1005 होमगार्ड व पीआरडी के जवान और दो कंपनी पीएस की ड्यूटी लगाई गई है।

भारतीय भाषा अनुभाग विदेशी भाषाओं के प्रभाव से मुक्ति की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा: शाह

नई दिल्ली
केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को नई दिल्ली में भारतीय भाषा अनुभाग का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि यह प्रशासन को विदेशी भाषाओं के प्रभाव से मुक्त करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय भाषा अनुभाग की स्थापना के साथ ही राजभाषा विभाग अब एक संपूर्ण विभाग बन गया है। उन्होंने कहा कि हमारी क्षमता का पूरा दोहन तभी हो सकता है जब हमारी सोच,



विक्षेपण और निर्णय लेने की प्रक्रिया हमारी मातृभाषा में हो। देश की सभी स्थानीय भाषाओं को मजबूत करके ही हम भारत को उसके सनातन गौरवशाली स्थान पर ले जा सकते हैं। शाह ने कहा कि हमारी हर भाषा दूसरी

भाषाओं से पूरी तरह जुड़ी हुई है और सभी भाषाओं का विकास एक-दूसरे के बिना संभव नहीं है। हमारी सभी भाषा रूपी नदियां मिलकर भारतीय संस्कृति की गंगा बनती हैं। भारतीय भाषाएं हमारी संस्कृति की आत्मा हैं और

हमारी संस्कृति भारत की आत्मा है। उन्होंने कहा कि यह अनुभाग भारत की भाषाई विविधता को समाहित करते हुए सभी भाषाओं को एक सशक्त और संगठित मंच प्रदान करेगा। गृहमंत्री ने कहा कि प्रौद्योगिकी का उपयोग सभी भाषाओं की भावना, समृद्धि और संवेदनशीलता को कम किए बिना किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम अंग्रेजी को अपने ऊपर थोपने के खिलाफ लड़ाई में अवश्य जीतेंगे। इस अवसर पर केंद्रीय गृह सचिव और राजभाषा सचिव समेत कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

तमिलनाडु से राज्यसभा के लिए कमल हासन और डीएमके के तीन उम्मीदवारों ने भरा पर्चा

नई दिल्ली
तमिलनाडु से राज्यसभा की छह सीटों के लिए 19 जून को होने वाले चुनाव के लिए मक्कल निधि मैयम (एमएमएम) के अध्यक्ष एवं अधिनेता कमल हासन और डीएमके के पी विल्सन सहित तीन उम्मीदवारों ने शुक्रवार को चेन्नई स्थित तमिलनाडु सचिवालय में नामांकन दाखिल किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन और उपमुख्यमंत्री



उदयनिधि स्टालिन मौजूद रहे। नामांकन दाखिल करने से पहले

डीएमके सभी उम्मीदवारों ने मरीना में कलैगनार स्मारक का दौरा

किया और मुथामिज अरिगनार डॉ. कलैगनार को श्रद्धांजलि अर्पित की। डीएमके ने सहयोगी मक्कल निधि मैयम को एक सीट दी है। डीएमके ने कवि सलमा, मौजूदा राज्यसभा सदस्य पी. विल्सन और एसआर शिवलिंगम को उम्मीदवार बनाया है। नामांकन के बाद पी विल्सन ने एक्स पोस्ट में तमिलनाडु के लोगों और मुख्यमंत्री एवं डीएमके अध्यक्ष एमके स्टालिन का आभार व्यक्त किया।

मोदी सरकार के 11 साल के कामकाज की रिपोर्ट लेकर जनता के बीच जाएगी

नई दिल्ली
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार के तीसरे कार्यकाल का 9 जून को एक साल पूरा होने जा रहा है। इसे लेकर भारतीय जनता पार्टी ने सरकार की उपलब्धियों को जनता के बीच ले जाने का फैसला किया है। इसके तहत 10 जून से सरकार के मंत्रियों के दौर शुरू होंगे और तमाम जगहों पर प्रेस कॉन्फ्रेंस होगी। मंत्री अपने-अपने मंत्रालयों में किए गए कामों को गिनवाएंगे। इसके साथ

देशभर में गोष्ठी और सभा का भी आयोजन होगा। पार्टी स्तर पर भी इसे लेकर तैयारियां की गई हैं। शुक्रवार को भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने अपने पर संदेश साझा करते हुए कहा कि भारत के युवाओं की आकांक्षाएं हमेशा से हमारी नीति निर्माण के केंद्र में रही हैं उन्हें पूरी तरह से सशक्त बनाने और उन्हें देश के विकास में सबसे आगे रखने के लिए बेहतर शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार के अवसर प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

धर्मार्थ समर्पण न्यास द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पर देश के विभिन्न हिस्सों में पौधारोपण व धर्मार्थ कार्य हुए सम्पन्न

दिव्य दिल्ली: धर्मार्थ समर्पण न्यास व अनमोल सेवा समिति द्वारा जेल परिसर वाराणसी में जेल अधीक्षक सौरभ श्रीवास्तव के दिशा निर्देशन में, नवग्रह एवं हर्बल वाटिका में वृक्षारोपण किया गया, महिला कैदियों एवं पालन पोषण के लिए गौद ली गई नवजात बच्चों को जरूरी सहायता, कपड़े, दूध और जरूरी सामग्री दी गई। इस दौरान सभी उपस्थितजनों ने यह संकल्प लिया कि वे इस मानसून की शुरूआत पौधा रोपण से करेंगी और जेल परिसर में कुल 1000 वृक्षों का रोपण किया जाएगा। कार्यक्रम में धर्मार्थ समर्पण न्यास की राष्ट्रीय सचिव डॉ. सुनीता तिवारी, अनमोल सेवा समिति के अध्यक्ष श्री अरविंद चक्रवाल, दीपक त्रिपाठी, दीपा मिश्रा और वंदना



मिश्रा जी विशेष रूप से उपस्थित रहे। सदस्यों ने 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जेल परिसर में कैदियों के साथ योग अभ्यास करने का

संकल्प भी लिया, जिससे उनके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ किया जा सके। धर्मार्थ समर्पण न्यास के अन्य पदाधिकारियों द्वारा भी अपने अपने जिले और राज्यों में विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधारोपण किया गया। जिनमें लखनऊ से प्रदेश अध्यक्ष पारुल मोहन, बरेली से अनुपमा अग्रवाल, नोएडा से रवेता मिश्रा और कुश्नेर से डॉक्टर आशीष अनेजा शामिल थे। पर्यावरण संरक्षण एक विचार नहीं एक क्रांति होना चाहिए, जो प्रकृति और पर्यावरण की रक्षा के लिए एक मिशन की तरह काम करे। ये मानना है, धर्मार्थ समर्पण न्यास की राष्ट्रीय अध्यक्ष नीलिमा टाकुर जी का। परिवर्तन एक दिन में नहीं पर एक दिन अवश्य होता है।

ब्रिक्स संसदीय फोरम में आतंकवाद के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस नीति पर सहयोग पर सहमति

नई दिल्ली
ब्राजील की राजधानी ब्रासीलिया में आयोजित 11वें ब्रिक्स संसदीय फोरम में भारत सहित 10 देशों की संसदों ने

हालिया पहलगाय आतंकी हमले की कड़ी निंदा करते हुए आतंकवाद के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस नीति पर सहयोग का संकल्प लिया। इस महत्वपूर्ण

सम्मेलन में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने किया। ब्रिक्स के 10 सदस्य देशों भारत, ब्राजील, रूस, चीन, दक्षिण

अफ्रीका, ईरान, संयुक्त अरब अमीरात, मिश्र, इथियोपिया और इंडोनेशिया ने इस वार्षिक बैठक में भाग लिया। सम्मेलन के दौरान वैश्विक

शांति, सुरक्षा, तकनीकी नवाचार, व्यापार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और संसदीय सहयोग जैसे विषयों पर गहन चर्चा हुई। भारत ने आतंकवाद को वैश्विक

खतरा बताते हुए आर्थिक मदद पर रोक, खुफिया सूचना के आदान-प्रदान और जांच सहयोग जैसे उपायों की वकालत की।